बाइबिल के परम सत्य

यीशु ने उससे कहा, " मैं ही मार्ग, सत्य और जीवन हूँ; मेरे बिना कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।" यूहन्ना 14:6
सत्य के लिए मरते दम तक कोशिश करो, और प्रभु तुम्हारे लिए लड़ेगा। एक्लेसियास्टिकस 4:28

इंजील में मूसा की बनाई पाँच पुस्तकों

और उसने कहा, मेरे मालिक अब्राहम के परमेश्वर यहोवा का धन्यवाद हो, जिसने मेरे मालिक को अपनी दया और सच्चाई से दूर नहीं किया। मैं रास्ते में था, और यहोवा ने मुझे मेरे मालिक के भाइयों के घर तक पहुँचाया। उत्पत्ति 24:27

तूने अपने सेवक पर जो दया और सच्चाई दिखाई है, मैं उसके भी लायक नहीं हूँ; क्योंकि मैं अपनी लाठी लेकर इस यरदन नदी को पार कर गया हूँ; और अब मैं दो टुकड़ियों में बँट गया हूँ। उत्पत्ति 32:10

तुम में से किसी एक को भेजो, और वह तुम्हारे भाई को ले आए, और तुम जेल में रखे जाओगे, ताकि तुम्हारी बातें साबित हो जाएं कि तुममें सच्चाई है या नहीं; वरना फिरौन की जान की कसम, तुम ज़रूर जासूस हो। उत्पत्ति 42:16

इसके अलावा, तुम सब लोगों में से काबिल आदमी चुनोगे, जो भगवान से डरते हों, सच्चे हों, लालच से नफरत करते हों; और ऐसे लोगों को उन पर बिठाओगे, जो हज़ारों, सैकड़ों, पचासों और दसियों पर राज करेंगे। निर्गमन 18:21

और यहोवा उसके सामने से गुज़रा, और यह ऐलान किया, कि यहोवा, यहोवा परमेश्वर, दयालु और अनुग्रहकारी, सहनशील, और बहुत ही भलाई और सच्चाई से भरा हुआ है, निर्गमन 34:6

तो तुम पूछताछ करना, और खोज करना, और ध्यान से पूछना; और देखो, अगर यह सच है, और बात पक्की है, कि ऐसा घिनौना काम तुम्हारे बीच किया गया है; व्यवस्थाविवरण 13:14

वह चट्टान है, उसका काम एकदम सही है: क्योंकि उसके सब काम न्याय के हैं: वह सच्चा और बिना किसी पाप के परमेश्वर है, वह न्यायी और सच्चा है। व्यवस्थाविवरण 32:4

इतिहास

इसलिए अब यहोवा का डर मानो, और सच्चाई और सच्चाई से उसकी सेवा करो; और उन देवताओं को दूर करो जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखे बाढ़ के दूसरी तरफ और मिस्र में करते थे; और यहोवा की सेवा करो। यहोशू 24:14

और झाड़ी ने पेड़ों से कहा, "अगर तुम सच में मुझे अपना राजा मानते हो, तो आओ और मेरी छाया में भरोसा रखो; और अगर नहीं, तो झाड़ी से आग निकले और लेबनान के देवदारों को भस्म कर दे।" न्यायियों 9:15

केवल यहोवा का भय मानो, और पूरे मन से सच्चाई से उसकी सेवा करो; क्योंकि सोचो कि उसने तुम्हारे लिए कितने बड़े काम किए हैं। 1 शमूएल 12:24

और दाऊद ने पुजारी को जवाब दिया, "सच में, जब से मैं बाहर आया हूँ, इन तीन दिनों से औरतों को हमसे दूर रखा गया है, और जवानों के बर्तन पवित्र हैं, और रोटी भी आम है, हाँ, भले ही आज बर्तन में वह पवित्र हो।" 1 शमूएल 21:5

और अब यहोवा तुम पर कृपा और सच्चाई दिखाए; और मैं भी तुम्हें इस कृपा का बदला दूंगा, क्योंकि तुमने यह काम किया है। 2 शमूएल 2:6

तुम तो कल ही आए थे, तो क्या मैं आज तुम्हें हमारे साथ घुमाऊं? क्योंकि मैं जहां जा सकता हूं, वहां जा सकता हूं, तो तुम भी लौट जाओ और अपने भाइयों को भी ले जाओ: दया और सच्चाई तुम्हारे साथ रहे। 2 शमूएल 15:20

ताकि यहोवा अपनी बात पूरी करे जो उसने मेरे बारे में कही थी, कि अगर तेरे बच्चे अपने रास्ते पर ध्यान दें, और पूरे दिल और पूरी जान से सच्चाई से मेरे सामने चलें, तो इस्राएल की राजगद्दी पर तेरा कोई न कोई आदमी ज़रूर होगा। 1 राजा 2:4

और सुलैमान ने कहा, "तूने अपने सेवक मेरे पिता दाऊद पर बड़ी दया की है, क्योंकि वह तेरे सामने सच्चाई, नेकी और दिल की सच्चाई से तेरे साथ चलता रहा; और तूने उस पर यह बड़ी कृपा की है कि तूने उसे एक बेटा दिया है जो उसकी गद्दी पर बैठेगा, जैसा कि आज है।" 1 राजा 3:6

औरत ने एलिय्याह से कहा, "अब मैं जान गई कि तू परमेश्वर का आदमी है, और तेरे मुँह में यहोवा का वचन सच है।" 1 राजा 17:24

हे यहोवा, सच तो यह है कि अश्शूर के राजाओं ने राष्ट्रों और उनकी भूमि को नष्ट कर दिया है, 2 राजा 19:17

हे यहोवा, मैं तुझसे विनती करता हूँ, याद कर कि मैं कैसे सच्चाई और सच्चे दिल से तेरे सामने चला हूँ, और वही किया है जो तेरी नज़र में अच्छा है। और हिजकियाह फूट-फूट कर रोया। 2 राजा 20:3

तब हिजकियाह ने यशायाह से कहा, यहोवा का वचन जो तूने कहा है, वह अच्छा है। उसने कहा, क्या यह अच्छा नहीं है कि मेरे दिनों में शांति और सच्चाई बनी रहे? 2 राजा 20:19

राजा ने उससे कहा, "मैं तुम्हें कितनी बार शपथ दिलाऊं कि तुम यहोवा के नाम पर मुझसे सच के सिवा कुछ न कहो।" 2 इतिहास 18:15

और हिजकिय्याह ने पूरे यहूदा में ऐसा ही किया, और अपने परमेश्वर यहोवा के सामने जो अच्छा, सही और सच्चा था, वही किया। 2 इतिहास 31:20

और उसने अहशवेरोश के राज्य के एक सौ सत्ताईस प्रांतों के सभी यहूदियों को शांति और सच्चाई की बातें लिखकर चिट्ठियाँ भेजीं, एस्तेर 9:30

कविता

मैं जानता हूँ कि यह सच है: लेकिन इंसान को परमेश्वर के साथ कैसे इंसाफ़ करना चाहिए? अय्यूब 9:2

जो सीधा चलता है, और नेकी के काम करता है, और अपने दिल में सच बोलता है। भजन संहिता 15:2

मुझे अपने सत्य पर ले चलो, और मुझे सिखाओ; क्योंकि तुम मेरे उद्धार के परमेश्वर हो; मैं सारा दिन तुम्हारी ही बाट जोहता रहता हूं। यहोवा के सारे रास्ते दया और सच्चाई से भरे हैं, उन लोगों के लिए जो उसके वादे और उसकी बातों को मानते हैं। भजन संहिता 25: 5,10

क्योंकि तेरी करुणा मेरी आंखों के सामने है, और मैं तेरी सच्चाई पर चलता रहा हूं। भजन संहिता 26:3

मेरे खून से क्या फ़ायदा, जब मैं गड्ढे में जाऊँगा? क्या धूल तेरी तारीफ़ करेगी? क्या वह तेरी सच्चाई बताएगी? भजन संहिता 30:9

मैं अपनी आत्मा तेरे हाथ में सौंपता हूं; हे यहोवा, सत्य के परमेश्वर, तूने मुझे छुड़ाया है। भजन संहिता 31:5

क्योंकि यहोवा का वचन सीधा है, और उसके सब काम सच्चाई से होते हैं। भजन संहिता 33:4

मैंने तेरे नेकी को अपने दिल में नहीं छिपाया; मैंने तेरी वफ़ादारी और तेरे उद्धार का ऐलान किया है: मैंने तेरी मेहरबानी और तेरी सच्चाई को बड़ी जमात से नहीं छिपाया। हे यहोवा, अपनी दया मुझ पर से न हटा; तेरी करुणा और सच्चाई मुझे सदा बचाए रखें। भजन संहिता 40: 10-11

हे अपनी रोशनी और अपनी सच्चाई भेजो; वे मुझे रास्ता दिखाएं; वे मुझे अपने पवित्र पहाड़ और अपने तंबुओं तक ले जाएं। भजन संहिता 43:3

और अपनी शान में सच्चाई, नरमी और नेकी के कारण कामयाब होकर चलो; और तुम्हारा दाहिना हाथ तुम्हें डरावनी बातें सिखाएगा। भजन संहिता 45:4

देखो, तू मन में सच्चाई चाहता है, और मन में तू मुझे बुद्धि सिखाएगा। भजन संहिता 51:6

वह मेरे दुश्मनों को बुराई का बदला देगा: अपनी सच्चाई से उन्हें काट डालो। भजन संहिता 54:5

वह स्वर्ग से भेजेगा, और मुझे उसकी बदनामी से बचाएगा जो मुझे निगलना चाहता है। सेला। परमेश्वर अपनी दया और अपनी सच्चाई भेजेगा। क्योंकि तेरी दया स्वर्ग तक महान है, और तेरी सच्चाई बादलों तक है। भजन संहिता 57: 3,10

तूने अपने डरवैयों को एक झंडा दिया है, ताकि सच्चाई के कारण उसे दिखाया जा सके। सेला। भजन संहिता 60:4

वह हमेशा परमेश्वर के सामने रहेगा: हे दया और सच्चाई तैयार करो, जो उसे बचाए रखें। भजन संहिता 61:7

लेकिन हे यहोवा, मेरी प्रार्थना तुझसे ऐसे समय पर है जब वह स्वीकार करने योग्य हो। हे परमेश्वर, अपनी बड़ी दया से, और अपने उद्धार की सच्चाई से मेरी सुन ले। भजन संहिता 69:13

हे मेरे परमेश्वर, मैं वीणा बजाकर तेरी सच्चाई की स्तुति करूंगा; हे इस्राएल के पवित्र परमेश्वर, मैं वीणा बजाकर तेरा भजन गाऊंगा। भजन संहिता 71:22

दया और सच्चाई एक साथ मिल गए हैं; नेकी और शांति ने एक दूसरे को चूमा है। सच्चाई धरती से निकलेगी; और नेकी स्वर्ग से नीचे देखेगी। भजन संहिता 85: 10-11

हे यहोवा, मुझे अपना मार्ग सिखा; मैं तेरे सत्य पर चलूंगा; मेरे हृदय को तेरे नाम का भय मानने के लिए एक कर। लेकिन हे प्रभु, तू दयालु, कृपालु, सहनशील, और दया और सच्चाई से भरपूर परमेश्वर है। भजन संहिता 86 :11,15

न्याय और न्याय तेरे सिंहासन का निवास है; दया और सच्चाई तेरे आगे-आगे चलेंगे। हे प्रभु, तेरी पहले की कृपा कहाँ है, जिसकी शपथ तूने दाऊद से अपनी सच्चाई में खाई थी? भजन संहिता 89 :14,49

वह तुम्हें अपने पंखों से ढक लेगा, और तुम उसके पंखों के नीचे भरोसा रखोगे: उसकी सच्चाई तुम्हारी ढाल और कवच होगी। भजन संहिता 91:4

यहोवा के सामने: क्योंकि वह आ रहा है, क्योंकि वह पृथ्वी का न्याय करने आ रहा है: वह धर्म से संसार का, और अपनी सच्चाई से लोगों का न्याय करेगा। भजन संहिता 96:13

उसने इस्राएल के घराने के प्रति अपनी दया और सच्चाई को याद किया है: पृथ्वी के कोने-कोने में हमारे परमेश्वर का उद्धार देखा गया है। भजन संहिता 98:3

क्योंकि यहोवा भला है; उसकी दया सदा की है; और उसकी सच्चाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनी रहती है। भजन संहिता 100:5

क्योंकि तेरी दया स्वर्ग से भी ऊपर है, और तेरी सच्चाई बादलों तक पहुँचती है। भजन संहिता 108:4

वे सदा सर्वदा स्थिर रहते हैं, और सच्चाई और सीधाई से किए जाते हैं। भजन संहिता 111:8

हे यहोवा, हमारी नहीं, हमारी नहीं, परन्तु अपने नाम की बड़ाई कर, अपनी दया और अपनी सच्चाई के कारण। भजन संहिता 115:1

क्योंकि उसकी दया हम पर बहुत है, और यहोवा की सच्चाई सदा बनी रहती है। यहोवा की स्तुति करो। भजन संहिता 117:2

मैंने सच्चाई का रास्ता चुना है: तेरे फ़ैसले मैंने अपने सामने रखे हैं। और मेरे मुंह से सच की बात पूरी तरह न छीन, क्योंकि मैं तेरे नियमों पर भरोसा रखता हूं। तेरी सच्चाई सदा की सच्चाई है, और तेरा नियम सत्य है। हे यहोवा, तू निकट है; और तेरे सब आदेश सत्य हैं। भजन संहिता 119: 30,43,142,151

यहोवा ने दाऊद से सच-सच शपथ खाई है; वह उससे न मुकरेगा; तेरे वंश में से मैं तेरे सिंहासन पर बैठाऊंगा। भजन संहिता 132:11

मैं तेरे पवित्र मंदिर की ओर झुककर पूजा करूंगा, और तेरी दया और सच्चाई के लिए तेरे नाम की तारीफ़ करूंगा: क्योंकि तूने अपने वचन को अपने नाम से ज़्यादा बड़ा किया है। भजन संहिता 138:2

यहोवा उन सब के निकट है जो उसे पुकारते हैं, अर्थात् उन सब के जो सच्चाई से उसे पुकारते हैं। भजन संहिता 145:18

जिसने स्वर्ग, पृथ्वी, समुद्र और उसमें जो कुछ है, सब बनाया, और जो सदा सत्य को बनाए रखता है। भजन संहिता 146:6

दया और सच्चाई को अपने से दूर न जाने दें; उन्हें अपने गले में बाँध लें; उन्हें अपने दिल की तख्ती पर लिख लें: नीतिवचन 3:3

क्योंकि मेरा मुँह सच बोलेगा; और बुराई मेरे होठों के लिए घिनौनी बात है। नीतिवचन 8:7

जो सच बोलता है वह नेकी दिखाता है, लेकिन झूठा गवाह धोखा देता है। सच बोलने वाले होंठ हमेशा के लिए मज़बूत रहेंगे, लेकिन झूठ बोलने वाली ज़बान सिर्फ़ पल भर के लिए होती है। नीतिवचन 12 :17,19

क्या वे लोग गलती नहीं करते जो बुरी योजना बनाते हैं? लेकिन जो अच्छी योजना बनाते हैं, उनके साथ दया और सच्चाई होगी। नीतिवचन 14:22

दया और सच्चाई से अधर्म दूर हो जाता है, और यहोवा के भय से मनुष्य बुराई से दूर हो जाता है। नीतिवचन 16:6

दया और सच्चाई राजा की रक्षा करते हैं, और उसकी गद्दी दया से बनी रहती है। नीतिवचन 20:28

ताकि मैं तुम्हें सच की बातें पक्की बता सकूँ; ताकि जो लोग तुम्हारे पास भेजें, तुम उन्हें सच की बातें बता सको? नीतिवचन 22:21

सच्चाई को खरीदो, बेचो मत; और बुद्धि, शिक्षा और समझ को भी खरीदो। नीतिवचन 23:23

उपदेशक ने सही शब्द खोजने की कोशिश की: और जो लिखा गया वह सीधा था, सच के शब्द थे। सभोपदेशक 12:10

भविष्यवाणी

सेनाओं के यहोवा ने मेरे कानों में कहा, सच में बहुत से घर उजड़ जाएंगे, बड़े-बड़े और सुंदर घर भी बिना किसी के रह जाएंगे। यशायाह 5:9

और उस दिन ऐसा होगा कि इस्राएल के बचे हुए लोग, और याकूब के घराने के जो लोग बच जाएंगे, वे फिर कभी उस पर भरोसा नहीं करेंगे जिसने उन्हें मारा था; बल्कि वे सच्चाई से इस्राएल के पवित्र परमेश्वर यहोवा पर भरोसा करेंगे। यशायाह 10:20

और दया से राजगद्दी कायम होगी: और वह दाऊद के डेरे में सच्चाई से उस पर बैठेगा, और न्याय करेगा, और इंसाफ़ की तलाश करेगा, और नेकी के काम में तेज़ी लाएगा। यशायाह 16:5

हे यहोवा, तू मेरा परमेश्वर है; मैं तुझे ऊंचा करूंगा, मैं तेरे नाम की तारीफ करूंगा; क्योंकि तूने अद्भुत काम किए हैं; तेरी पुरानी सलाहें सच्चाई और सच्चाई की हैं। यशायाह 25:1

तुम दरवाज़े खोलो, ताकि नेक लोग जो सच्चाई पर चलते हैं, अंदर आ सकें। यशायाह 26:2

हे यहोवा, सच तो यह है कि अश्शूर के राजाओं ने सब जातियों और उनके देशों को उजाड़ दिया है। यशायाह 37:18

और कहा, "हे यहोवा, मैं तुझसे विनती करता हूँ, याद कर कि मैं कैसे सच्चाई और सच्चे दिल से तेरे सामने चलता रहा हूँ, और वही किया है जो तेरी नज़र में अच्छा है।" और हिजकियाह फूट-फूट कर रोया। क्योंकि कब्र तुम्हारी तारीफ़ नहीं कर सकती, मौत तुम्हारा जश्न नहीं मना सकती; जो लोग गड्ढे में उतरते हैं वे तुम्हारी सच्चाई की उम्मीद नहीं कर सकते। जीवित, जीवित, वह तेरी तारीफ़ करेगा, जैसा मैं आज कर रहा हूँ: पिता बच्चों को तेरा सच बताएगा। यशायाह 38: 3,18-19

तब हिजकिय्याह ने यशायाह से कहा, यहोवा का वचन जो तूने कहा है, वह अच्छा है। उसने यह भी कहा, क्योंकि मेरे दिनों में शांति और सच्चाई रहेगी। यशायाह 39:8

वह कुचले हुए सरकंडे को नहीं तोड़ेगा, और धुआँ उगलते हुए सन को नहीं बुझाएगा; वह सच्चाई के लिए न्याय लाएगा। यशायाह 42:3

सब देश इकट्ठे हों, और लोग भी इकट्ठा हों; उनमें से कौन यह बता सकता है, और हमें पुरानी बातें बता सकता है? वे अपने गवाह सामने लाएँ, ताकि वे सही साबित हों; या वे सुनें, और कहें, यह सच है। यशायाह 43:9

हे याकूब के घराने, तुम यह सुनो, तुम जो इस्राएल के नाम से पुकारे जाते हो, और यहूदा के जल से निकले हो, जो यहोवा के नाम की कसम खाते हो, और इस्राएल के परमेश्वर का ज़िक्र तो करते हो, परन्तु सच्चाई या नेकी से नहीं। यशायाह 48:1

कोई इंसाफ़ की गुहार नहीं लगाता, न कोई सच की गुहार लगाता है; वे बेकार की बातों पर भरोसा करते हैं, और झूठ बोलते हैं; वे बुराई की सोच रखते हैं, और बुराई को जन्म देते हैं। और न्याय पीछे हट गया है, और न्याय दूर खड़ा है: क्योंकि सच्चाई सड़क पर गिर गई है, और न्याय प्रवेश नहीं कर सकता। हां, सच्चाई हार जाती है; और जो बुराई से दूर रहता है, वह खुद शिकार बन जाता है: और यहोवा ने यह देखा, और उसे बुरा लगा कि कोई इंसाफ़ नहीं हुआ। यशायाह 59: 4,14-15

क्योंकि मैं यहोवा न्याय से प्रेम करता हूं, होमबलि के बदले लूट से घृणा करता हूं; और मैं उनके काम सच्चाई से करूंगा, और उनके साथ सदा का करार करूंगा। यशायाह 61:8

जो धरती पर खुद को आशीर्वाद देगा, वह सच्चाई के परमेश्वर में खुद को आशीर्वाद देगा; और जो धरती पर कसम खाएगा, वह सच्चाई के परमेश्वर की कसम खाएगा; क्योंकि पहले की परेशानियाँ भुला दी गई हैं, और क्योंकि वे मेरी आँखों से छिप गई हैं। यशायाह 65:16

और तू कसम खाएगा, यहोवा सच्चाई, न्याय और नेकी से जीवित है; और देश-देश के लोग उसमें खुद को धन्य कहेंगे, और उसमें गर्व करेंगे। यिर्मयाह 4:2

यरूशलेम की सड़कों पर इधर-उधर दौड़ो, और देखो, और जानो, और उसकी चौड़ी जगहों में ढूंढो, कि क्या तुम्हें कोई आदमी मिल सकता है, क्या कोई ऐसा है जो इंसाफ़ करता है, जो सच की तलाश करता है; और मैं उसे माफ़ कर दूंगा। हे यहोवा, क्या तेरी नज़र सच्चाई पर नहीं है? तूने उन्हें मारा है, पर वे दुखी नहीं हुए; तूने उन्हें खत्म कर दिया है, पर उन्होंने सुधार सुनने से मना कर दिया है; उन्होंने अपने चेहरे चट्टान से भी ज़्यादा सख़्त कर लिए हैं; उन्होंने लौटने से मना कर दिया है। यिर्मयाह 5: 1,3

लेकिन तुम उनसे कहना, यह एक ऐसा देश है जो अपने परमेश्वर यहोवा की बात नहीं मानता, और न ही सुधार को मानता है; सच्चाई खत्म हो गई है, और उनके मुंह से कट गई है। यिर्मयाह 7:28

और वे झूठ के लिए अपनी जीभ को धनुष की तरह मोड़ते हैं, लेकिन वे धरती पर सच्चाई के लिए बहादुर नहीं हैं; क्योंकि वे बुराई से बुराई की ओर बढ़ते हैं, और वे मुझे नहीं जानते, यहोवा की यही वाणी है। और वे हर एक अपने पड़ोसी को धोखा देंगे, और सच नहीं बोलेंगे: उन्होंने अपनी ज़बान को झूठ बोलना सिखाया है, और खुद को बुरा काम करने में थका दिया है। यिर्मयाह 9: 3,5

लेकिन तुम यह पक्का जान लो कि अगर तुम मुझे मार डालोगे, तो तुम ज़रूर अपने ऊपर, इस शहर पर और इसके रहने वालों पर बेगुनाहों का खून बहाओगे; क्योंकि सच में यहोवा ने मुझे तुम्हारे पास ये सब बातें तुम्हारे कानों में कहने के लिए भेजा है। यिर्मयाह 26:15

देखो, मैं इसे सेहत और इलाज दूँगा, और मैं उन्हें ठीक करूँगा, और उन पर बहुत शांति और सच्चाई दिखाऊँगा। यिर्मयाह 33:6

राजा ने दानिय्येल को जवाब दिया, "सच में, तुम्हारा परमेश्वर सब देवताओं का परमेश्वर, राजाओं का राजा और राज़ खोलने वाला है, इसलिए तुम यह राज़ खोल सके।" दानिय्येल 2:47

अब मैं नबूकदनेस्सर स्वर्ग के राजा की तारीफ़ करता हूँ, उसकी बड़ाई करता हूँ और उसका आदर करता हूँ, उसके सारे काम सच्चे हैं, और उसके रास्ते न्याय के हैं: और जो लोग घमंड में चलते हैं, वह उन्हें नीचा दिखा सकता है। दानिय्येल 4:37

मैं पास खड़े लोगों में से एक के पास गया और उससे इन सब बातों की सच्चाई पूछी। तो उसने मुझे बताया और मुझे इन बातों का मतलब समझाया। तब मैं चौथे जानवर की सच्चाई जानना चाहता था, जो सबसे अलग था, बहुत डरावना था, जिसके दांत लोहे के थे और नाखून पीतल के; जो खाता था, टुकड़े-टुकड़े करता था, और बचे हुए को अपने पैरों से रौंदता था; दानिय्येल 7: 16,19

और गुनाह की वजह से रोज़ाना की कुर्बानी के खिलाफ उसे एक सेना दी गई, और उसने सच्चाई को ज़मीन पर गिरा दिया; और वह काम करती रही, और कामयाब रही। दानिय्येल 8:12

जैसा मूसा के कानून में लिखा है, यह सारी बुराई हम पर आ पड़ी है, फिर भी हमने अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना नहीं की, कि हम अपने पापों से फिरकर तेरी सच्चाई को समझें। दानिय्येल 9:13

लेकिन मैं तुम्हें वह बताऊंगा जो सच्ची किताब में लिखा है: और इन बातों में मेरे साथ कोई नहीं है, सिवाय तुम्हारे राजकुमार माइकल के। दानिय्येल 10:21

और अब मैं तुम्हें सच बताता हूँ। देखो, फारस में अभी तीन राजा उठेंगे; और चौथा उन सबसे ज़्यादा अमीर होगा: और अपनी ताकत और दौलत से वह सबको ग्रीस के खिलाफ भड़का देगा। दानिय्येल 11:2

हे इस्राएल के बच्चों, यहोवा का वचन सुनो; क्योंकि यहोवा का इस देश के निवासियों के साथ झगड़ा है, क्योंकि इस देश में न तो सच्चाई है, न दया, और न परमेश्वर का ज्ञान है। होशे 4:1

तू याकूब के साथ सच्चाई और अब्राहम के साथ दया करेगा, जिसकी शपथ तूने हमारे पूर्वजों से पुराने दिनों से ली है। मीका 7:20

यहोवा यों कहता है, मैं सिय्योन में लौट आया हूं, और यरूशलेम के बीच में रहूंगा; और यरूशलेम सच्चाई का नगर कहलाएगा; और सेनाओं के यहोवा का पर्वत पवित्र पर्वत कहलाएगा। और मैं उन्हें ले आऊंगा, और वे यरूशलेम के बीच में रहेंगे; और वे मेरे लोग होंगे, और मैं सच्चाई और नेकी से उनका परमेश्वर होऊंगा। ये वो काम हैं जो तुम्हें करने होंगे; हर आदमी अपने पड़ोसी से सच बोले; अपने दरवाज़ों पर सच्चाई और शांति का फ़ैसला करे: सेनाओं का यहोवा यों कहता है; चौथे महीने का उपवास, पाँचवें, सातवें और दसवें महीने का उपवास यहूदा के घराने के लिए खुशी और उल्लास और खुशी के त्योहारों का दिन होगा; इसलिए सच्चाई और शांति से प्यार करो। जकर्याह 8: 3,8,16,19

सच्चाई का नियम उसके मुँह में था, और उसके होठों से कोई बुराई नहीं निकली; वह मेरे साथ शांति और सच्चाई से चला, और उसने बहुतों को बुराई से दूर किया। मलाकी 2:6

सुसमाचार और प्रेरितों के काम

तब जो लोग नाव में थे, वे आए और उसे प्रणाम करके कहने लगे, "सच में तुम परमेश्वर के पुत्र हो।" मत्ती 14:33

उसने कहा, सच है प्रभु, फिर भी कुत्ते अपने मालिकों की मेज से गिरे हुए टुकड़े खाते हैं। मत्ती 15:27

और उन्होंने अपने चेलों को हेरोदियों के साथ उसके पास यह कहकर भेजा, "गुरु, हम जानते हैं कि आप सच्चे हैं और परमेश्वर का मार्ग सच्चाई से सिखाते हैं, और किसी की परवाह नहीं करते, क्योंकि आप इंसानों की पर्सनैलिटी पर ध्यान नहीं देते।" मत्ती 22:16

लेकिन वह औरत डरती और कांपती हुई यह जानकर कि उसके साथ क्या हुआ है, आई और उसके सामने गिरकर उसे सब सच-सच बता दिया। मरकुस 5:33

और जब वे आए, तो उन्होंने उससे कहा, "गुरु, हम जानते हैं कि आप सच्चे हैं और किसी की परवाह नहीं करते; क्योंकि आप इंसानों की तरफ़ ध्यान नहीं देते, बल्कि सच्चाई से परमेश्वर का मार्ग सिखाते हैं। क्या सीज़र को कर देना सही है या नहीं?" मरकुस 12:14

और शास्त्री ने उससे कहा, "ठीक है, गुरु, तुमने सच कहा: क्योंकि परमेश्वर एक है; और उसके सिवा कोई दूसरा नहीं है।" मरकुस 12:32

लेकिन मैं तुमसे सच कहता हूँ, कि एलिय्याह के दिनों में इस्राएल में बहुत सी विधवाएँ थीं, जब तीन साल और छह महीने तक आकाश बन्द रहा, और सारे देश में बड़ा अकाल पड़ा; लूका 4:25

लेकिन मैं तुमसे सच कहता हूँ, यहाँ कुछ ऐसे लोग खड़े हैं, जो तब तक मौत का स्वाद नहीं चखेंगे, जब तक वे परमेश्वर का राज्य न देख लें। लूका 9:27

मैं तुमसे सच कहता हूं, कि वह उसे अपनी सारी सम्पत्ति पर शासक बनाएगा। लूका 12:44

उसने कहा, "मैं तुमसे सच कहता हूँ कि इस गरीब विधवा ने उन सबसे ज़्यादा डाला है। लूका 21:3

और करीब एक घंटे बाद दूसरे ने पूरे भरोसे के साथ कहा, "सच में यह आदमी भी उसके साथ था, क्योंकि वह गलीली है।" लूका 22:59

और वचन शरीरधारी हुआ, और हमारे बीच में रहा, (और हमने उसकी महिमा देखी, पिता के इकलौते की महिमा जैसी), जो कृपा और सच्चाई से भरा हुआ था। क्योंकि व्यवस्था मूसा के द्वारा दी गई थी, परन्तु अनुग्रह और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा आई। यूहन्ना 1: 14,17

लेकिन जो सच पर चलता है, वह रोशनी में आता है, ताकि उसके काम ज़ाहिर हों, कि वे परमेश्वर की तरफ़ से किए गए हैं। यूहन्ना 3:21

लेकिन वह समय आता है, और अब आ गया है, जब सच्चे भक्त आत्मा और सच्चाई से पिता की आराधना करेंगे: क्योंकि पिता ऐसे ही भक्त ढूंढता है। परमेश्वर आत्मा है: और जो लोग उसकी आराधना करते हैं, उन्हें आत्मा और सच्चाई से उसकी आराधना करनी चाहिए। यूहन्ना 4: 23-24

तुमने यूहन्ना के पास भेजा, और उसने सच्चाई की गवाही दी। यूहन्ना 5:33

तब उन लोगों ने, जब यीशु का चमत्कार देखा, तो कहा, यह सच है कि जो नबी दुनिया में आने वाला था। यूहन्ना 6:14

इसलिए जब बहुत से लोगों ने यह बात सुनी, तो उन्होंने कहा, "सच में यह पैगंबर है।" यूहन्ना 7:40

और तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा। लेकिन अब तुम मुझे, यानी एक ऐसे आदमी को, जिसने तुम्हें वह सच बताया है जो मैंने परमेश्वर से सुना है, मारना चाहते हो: अब्राहम ने ऐसा नहीं किया। तुम अपने पिता शैतान से हो, और अपने पिता की इच्छाओं को पूरा करोगे। वह शुरू से ही हत्यारा था, और सच्चाई में टिका नहीं रहा, क्योंकि उसमें कोई सच्चाई नहीं है। जब वह झूठ बोलता है, तो वह अपनी ही बात कहता है: क्योंकि वह झूठा है, और झूठ का पिता है। और इसलिए कि मैं तुम्हें सच बताता हूँ, तुम मुझ पर विश्वास नहीं करते। तुम में से कौन मुझे पापी ठहराता है? और अगर मैं सच कहता हूँ, तो तुम मुझ पर विश्वास क्यों नहीं करते? यूहन्ना 8: 32,40,44-46

यीशु ने उससे कहा, " मैं ही मार्ग, सत्य और जीवन हूँ; मेरे बिना कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।" यूहन्ना 14:6

यानी सच्चाई की आत्मा, जिसे दुनिया अपना नहीं सकती, क्योंकि वह उसे न तो देखती है और न ही उसे जानती है: लेकिन तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है और तुम में रहेगा। यूहन्ना 14:17

लेकिन जब वह दिलासा देने वाला आएगा, जिसे मैं पिता की तरफ से तुम्हारे पास भेजूंगा, यानी सच्चाई की आत्मा जो पिता से निकलती है, तो वह मेरे बारे में गवाही देगा। यूहन्ना 15:26

फिर भी मैं तुमसे सच कहता हूँ; तुम्हारे लिए मेरा जाना अच्छा है: क्योंकि अगर मैं नहीं जाऊँगा, तो दिलासा देने वाला तुम्हारे पास नहीं आएगा; लेकिन अगर मैं चला जाऊँगा, तो मैं उसे तुम्हारे पास भेज दूँगा। लेकिन जब वह, यानी सच्चाई की आत्मा, आएगा, तो तुम्हें सब सच्चाई की राह दिखाएगा; क्योंकि वह अपनी तरफ से कुछ नहीं कहेगा, बल्कि जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा; और आने वाली बातें तुम्हें बताएगा। यूहन्ना 16: 7,13

अपने सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर; तेरा वचन सत्य है। और उनके लिए मैं खुद को पवित्र करता हूँ, ताकि वे भी सच्चाई के ज़रिए पवित्र हो जाएँ। यूहन्ना 17: 17,19

इसलिए पिलातुस ने उससे कहा, "तो क्या तुम राजा हो?" यीशु ने जवाब दिया, " तुम कहते हो कि मैं राजा हूँ। मैं इसलिए पैदा हुआ और इसी वजह से दुनिया में आया कि सच की गवाही दूँ। जो कोई सच का है, वह मेरी आवाज़ सुनता है।" पिलातुस ने उससे पूछा, "सच क्या है?" यह कहकर वह फिर यहूदियों के पास गया और उनसे कहा, "मुझे उसमें कोई गलती नहीं मिली।" यूहन्ना 18: 37-38

क्योंकि सच तो यह है कि तेरे पवित्र बेटे यीशु के खिलाफ, जिसे तूने चुना है, हेरोदेस और पोंटियस पिलातुस, गैर-यहूदियों और इस्राएल के लोगों के साथ इकट्ठा हुए थे। प्रेरितों के काम 4:27

तब पतरस ने अपना मुंह खोला और कहा, "मैं सच में समझता हूं कि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता। प्रेरितों के काम 10:34

लेकिन उसने कहा, हे महामहिम फेस्टस, मैं पागल नहीं हूं; बल्कि सच और समझदारी की बातें कहता हूं। प्रेरितों के काम 26:25

पत्र

क्योंकि परमेश्वर का क्रोध तो उन लोगों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रगट होता है, जो सत्य को अधर्म से दबाए रखते हैं। जिन्होंने परमेश्वर की सच्चाई को झूठ में बदल दिया, और सृष्टिकर्ता की अपेक्षा सृष्टि की अधिक पूजा और सेवा की, जो सदा धन्य है। आमीन। रोमियों 1: 18,25

लेकिन हमें यकीन है कि जो लोग ऐसे काम करते हैं, उनके खिलाफ परमेश्वर का न्याय सच में होगा। लेकिन जो झगड़ालू हैं, और सच्चाई को नहीं मानते, बल्कि गलत कामों को मानते हैं, उन पर गुस्सा और कोप पड़ेगा। रोमियों 2: 2,8

मूर्खों का सिखाने वाला, बच्चों का सिखाने वाला, जिसके पास ज्ञान और कानून की सच्चाई का रूप है। रोमियों 2:20

क्योंकि अगर मेरे झूठ के ज़रिए परमेश्वर की सच्चाई उसकी महिमा के लिए और ज़्यादा बढ़ी है, तो फिर मुझे पापी क्यों ठहराया जाता है? रोमियों 3:7

मैं मसीह में सच कहता हूँ, मैं झूठ नहीं बोलता, मेरा ज़मीर भी पवित्र आत्मा में मेरी गवाही देता है, रोमियों 9:1

अब मैं कहता हूं कि यीशु मसीह परमेश्वर की सच्चाई के लिए खतना किए हुए लोगों का सेवक था, ताकि पूर्वजों से किए गए वादों को पक्का किया जा सके: रोमियों 15:8

इसलिए आओ हम त्योहार मनाएं, न तो पुराने खमीर से, न ही बुराई और बुराई के खमीर से, बल्कि ईमानदारी और सच्चाई की बिना खमीर की रोटी से। 1 कुरिन्थियों 5:8

अधर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है; 1 कुरिन्थियों 13:6

और इस तरह उसके दिल के राज़ खुल जाएंगे; और इस तरह वह मुँह के बल गिरकर भगवान की पूजा करेगा, और बताएगा कि भगवान सच में तुम्हारे अंदर है। 1 कुरिन्थियों 14:25

लेकिन हमने बेईमानी की छिपी हुई बातों को छोड़ दिया है, न चालाकी से चलते हैं, न परमेश्वर के वचन को धोखे से इस्तेमाल करते हैं; बल्कि सच्चाई को ज़ाहिर करके परमेश्वर की नज़र में हर इंसान के ज़मीर पर अपनी अच्छाई दिखाते हैं। 2 कुरिन्थियों 4:2

सत्य के वचन से, परमेश्वर की शक्ति से, दाहिने और बाएं हाथ में धार्मिकता के कवच से, 2 कुरिन्थियों 6:7

क्योंकि अगर मैंने तुम्हारे बारे में उससे कुछ भी घमंड किया है, तो मुझे शर्म नहीं आती; बल्कि जैसे हमने तुमसे सब बातें सच-सच कही थीं, वैसे ही हमारा घमंड, जो मैंने टाइटस के सामने किया था, सच निकला। 2 कुरिन्थियों 7:14

क्योंकि मसीह की सच्चाई मुझमें है, इसलिए अखाया के इलाकों में कोई भी मुझे इस घमंड से नहीं रोक पाएगा। 2 कुरिन्थियों 11:10

क्योंकि अगर मैं बड़ाई करना चाहूँ, तो भी मैं बेवकूफ़ नहीं बनूँगा; क्योंकि मैं सच कहूँगा: लेकिन अब मैं खुद को रोक रहा हूँ, ताकि कोई भी मुझे उससे ज़्यादा न समझे जो वह मुझे देखता है, या जो वह मेरे बारे में सुनता है। 2 कुरिन्थियों 12:6

क्योंकि हम सत्य के विरुद्ध कुछ नहीं कर सकते, बल्कि सत्य के लिए ही कर सकते हैं। 2 कुरिन्थियों 13:8

हमने उन्हें एक घंटे के लिए भी नहीं, बल्कि उनके अधीन कर दिया, ताकि सुसमाचार की सच्चाई तुम्हारे साथ बनी रहे। गलातियों 2:5

लेकिन जब मैंने देखा कि वे सुसमाचार की सच्चाई के अनुसार सीधे नहीं चल रहे हैं, तो मैंने सबके सामने पतरस से कहा, "अगर तुम यहूदी होकर गैर-यहूदियों की तरह जीते हो, और यहूदियों की तरह नहीं, तो तुम गैर-यहूदियों को यहूदियों की तरह जीने के लिए क्यों मजबूर करते हो?" गलातियों 2:14

हे मूर्ख गलातियों, किसने तुम्हें बहकाया है कि तुम सत्य को नहीं मानते, जबकि यीशु मसीह तुम्हारी आंखों के सामने क्रूस पर चढ़ाए गए थे? गलातियों 3:1

क्या मैं इसलिए तुम्हारा दुश्मन बन गया हूँ, क्योंकि मैं तुमसे सच बोलता हूँ? गलातियों 4:16

तुम तो अच्छी तरह दौड़े; फिर किसने तुम्हें रोका कि तुम सच का पालन न करो? गलातियों 5:7

जिस पर तुमने भरोसा किया, जब तुमने सच्चाई का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है: जिस पर तुमने विश्वास किया, उसके बाद तुम पर वादे के पवित्र आत्मा की मुहर लगी। इफिसियों 1:13

बल्कि प्यार में सच बोलते हुए, सब बातों में उसमें बढ़ते जाओ जो सिर है, यानी मसीह। अगर तुमने उसे सुना है और उससे सीखा है, जैसा कि यीशु में सच्चाई है: इसलिए झूठ बोलना छोड़कर हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले, क्योंकि हम एक दूसरे के अंग हैं। इफिसियों 4: 15,21,25

(क्योंकि आत्मा का फल सब प्रकार की भलाई, धार्मिकता और सच्चाई है।) इफिसियों 5:9

इसलिए सत्य से अपनी कमर कसकर और धार्मिकता का कवच पहनकर खड़े रहो। इफिसियों 6:14

तो फिर क्या? फिर भी, हर तरह से, चाहे दिखावे से, या सच में, मसीह का प्रचार किया जाता है; और मैं इसमें खुश होता हूँ, हाँ, और खुश रहूँगा। फिलिप्पियों 1:18

उस आशा की हुई चीज़ के लिए जो तुम्हारे लिए स्वर्ग में रखी है, जिसके बारे में तुम ने पहले से ही सुसमाचार के सत्य वचन में सुना था, जो तुम्हारे पास भी आया है, जैसा कि सारी दुनिया में है; और फल लाता है, जैसा कि तुम में भी लाता है, जिस दिन से तुमने इसके बारे में सुना और सच्चाई से परमेश्वर की कृपा को जाना। कुलुस्सियों 1: 5-6

इसी वजह से हम भी लगातार परमेश्वर का शुक्रिया अदा करते हैं, क्योंकि जब तुमने हमसे परमेश्वर का वचन सुना, तो उसे इंसानों का वचन समझकर नहीं, बल्कि परमेश्वर का वचन समझकर पाया, जो सच में है, और तुममें जो विश्वास करते हो, असरदार तरीके से काम भी करता है। 1 थिस्सलुनीकियों 2:13

और नाश होने वालों में अधर्म का सारा धोखा है; क्योंकि उन्होंने सत्य का प्रेम ग्रहण नहीं किया, ताकि वे उद्धार पा सकें । ताकि वे सब दण्डित हों, जो सत्य पर विश्वास नहीं करते, परन्तु अधर्म में आनन्द लेते हैं। लेकिन हे प्रभु के प्यारे भाइयों, तुम्हारे लिए हमें हमेशा परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए, क्योंकि परमेश्वर ने शुरू से ही तुम्हें आत्मा के पवित्रीकरण और सच्चाई पर विश्वास के ज़रिए मुक्ति के लिए चुना है। 2 थिस्सलुनीकियों 2: 10,12-13

जो चाहता है कि सभी मनुष्य उद्धार पाएं और सत्य का ज्ञान प्राप्त करें। जिसके लिए मुझे उपदेशक और प्रेरित ठहराया गया है, (मैं मसीह में सच बोलता हूँ, और झूठ नहीं बोलता;) विश्वास और सच्चाई में गैर-यहूदियों का शिक्षक। 1 तीमुथियुस 2: 4,7

लेकिन अगर मैं ज़्यादा देर करूँ, तो तुम जान सकोगे कि परमेश्वर के घर में तुम्हें कैसा व्यवहार करना चाहिए, जो जीवित परमेश्वर का चर्च है, जो सच्चाई का आधार और नींव है। 1 तीमुथियुस 3:15

शादी करने से मना करना, और खाने-पीने की चीज़ों से दूर रहने का हुक्म देना, जिन्हें परमेश्वर ने इसलिए बनाया है कि जो लोग विश्वास करते हैं और सच्चाई जानते हैं, वे उन्हें धन्यवाद के साथ खाएं। 1 तीमुथियुस 4:3

बिगड़े हुए मन वाले और सच्चाई से दूर रहने वाले लोग, जो सोचते हैं कि फायदा ही भक्ति है, ऐसे लोगों से दूर रहो। 1 तीमुथियुस 6:5

परमेश्वर के सामने खुद को मंज़ूर दिखाने के लिए पढ़ाई करो, एक ऐसा काम करने वाला जिसे शर्मिंदा होने की ज़रूरत न हो, जो सच के वचन को सही तरीके से बांटता हो। 2 तीमुथियुस 2:15

जो सच के बारे में गलत कह रहे हैं, और कह रहे हैं कि फिर से जी उठना तो हो चुका है; और कुछ लोगों के विश्वास को खत्म कर रहे हैं। 2 तीमुथियुस 2:18

नम्रता से उन लोगों को सिखाओ जो खुद का विरोध करते हैं; अगर भगवान शायद उन्हें सच्चाई को मानने के लिए पछतावा दे; 2 तीमुथियुस 2:25

हमेशा सीखते रहते हैं, और कभी भी सत्य का ज्ञान नहीं कर पाते। जैसे यान्नेस और याम्ब्रेस ने मूसा का विरोध किया था, वैसे ही ये भी सच्चाई का विरोध करते हैं: ये लोग बिगड़े हुए मन के हैं, और विश्वास के मामले में बुरे हैं। 2 तीमुथियुस 3: 7-8

और वे अपने कान सच्चाई से फेर लेंगे, और कहानियों पर ध्यान देंगे। 2 तीमुथियुस 4:4

पौलुस, परमेश्वर का सेवक और यीशु मसीह का प्रेरित, परमेश्वर के चुने हुए लोगों के विश्वास और भक्ति के अनुसार सत्य को मानने के अनुसार; यहूदी कहानियों और इंसानों की आज्ञाओं पर ध्यान न देना, जो सच्चाई से दूर ले जाती हैं। तीतुस 1: 1,14

क्योंकि सच्चाई का ज्ञान मिलने के बाद भी अगर हम जानबूझकर पाप करते रहें, तो पापों के लिए कोई और बलिदान बाकी नहीं रहता। इब्रानियों 10:26

उसने अपनी मर्ज़ी से हमें सच्चाई के वचन से जन्म दिया, ताकि हम उसकी बनाई हुई चीज़ों में से एक तरह के पहले फल हों। याकूब 1:18

लेकिन अगर तुम्हारे दिल में कड़वी जलन और झगड़ा है, तो घमंड मत करो, और सच के खिलाफ झूठ मत बोलो। याकूब 3:14

हे भाईयों, यदि तुम में से कोई सत्य से भटक जाए, और कोई उसे बदल ले, याकूब 5:19

क्योंकि तुमने आत्मा के ज़रिए सच्चाई को मानकर अपने मन को पवित्र किया है, ताकि भाइयों से सच्चा प्यार दिखा सको, तो देखो कि तुम एक-दूसरे से सच्चे दिल से और पूरे दिल से प्यार करो। 1 पतरस 1:22

इसलिए मैं तुम्हें हमेशा ये बातें याद दिलाने में कोई कोताही नहीं करूँगा, हालाँकि तुम इन्हें जानते हो, और मौजूदा सच्चाई में बने रहो। 2 पतरस 1:12

और बहुत से लोग उनके बुरे रास्तों पर चलेंगे; और उनके कारण सच्चाई के रास्ते की बुराई की जाएगी। 2 पतरस 2:2

अगर हम कहें कि हम उसके साथ हैं, और फिर भी अंधेरे में चलें, तो हम झूठ बोल रहे हैं, और सच नहीं बोल रहे हैं। अगर हम कहें कि हममें कोई पाप नहीं है, तो हम खुद को धोखा दे रहे हैं, और हममें सच्चाई नहीं है। 1 यूहन्ना 1: 6,8

जो कहता है, 'मैं उसे जानता हूं,' और उसकी आज्ञाओं को नहीं मानता, वह झूठा है, और उसमें सच्चाई नहीं है। मैंने तुम्हें इसलिए नहीं लिखा कि तुम सच नहीं जानते, बल्कि इसलिए लिखा कि तुम उसे जानते हो, और यह भी कि कोई झूठ सच से नहीं है। लेकिन जो अभिषेक तुम्हें उससे मिला है, वह तुम में बना रहता है, और तुम्हें किसी के सिखाने की ज़रूरत नहीं है: बल्कि जैसे वही अभिषेक तुम्हें सब बातें सिखाता है, और सच है, और झूठ नहीं है, और जैसा उसने तुम्हें सिखाया है, वैसे ही तुम उसमें बने रहोगे। 1 यूहन्ना 2: 4,21,27

मेरे छोटे बच्चों, हम सिर्फ़ बातों से या ज़बान से नहीं, बल्कि कामों से और सच्चाई से प्यार करें। और इसी से हम जानते हैं कि हम सत्य के हैं, और उसके सामने अपने हृदय को आश्वस्त करेंगे। 1 यूहन्ना 3: 18-19

हम परमेश्वर के हैं: जो परमेश्वर को जानता है वह हमारी सुनता है; जो परमेश्वर का नहीं है वह हमारी नहीं सुनता। इसी से हम सच्चाई की आत्मा और गलती की आत्मा को पहचानते हैं। 1 यूहन्ना 4:6

यह वही है जो पानी और खून से आया, यानी यीशु मसीह; सिर्फ़ पानी से नहीं, बल्कि पानी और खून से। और यह आत्मा है जो गवाही देती है, क्योंकि आत्मा ही सच है। 1 यूहन्ना 5:6

उस चुनी हुई महिला और उसके बच्चों के नाम, जिनसे मैं सच्चाई में प्यार करता हूँ; और सिर्फ़ मैं ही नहीं, बल्कि उन सभी से भी जिन्होंने सच्चाई को जाना है; सच्चाई के लिए, जो हम में रहती है, और हमेशा हमारे साथ रहेगी। परमेश्वर पिता और पिता के पुत्र प्रभु यीशु मसीह की ओर से, सत्य और प्रेम में अनुग्रह, दया और शांति तुम्हारे साथ रहे। मैं बहुत खुश हुआ कि मैंने तेरे बच्चों को सच्चाई पर चलते हुए पाया, जैसा हमें पिता से आज्ञा मिली थी। 2 यूहन्ना 1: 1-4

प्रिय गयुस के नाम, जिससे मैं सच में प्यार करता हूँ। क्योंकि जब भाई आए और तुम्हारे अंदर जो सच्चाई है, उसकी गवाही दी, तो मुझे बहुत खुशी हुई, क्योंकि तुम सच्चाई पर चलते हो। मुझे इससे ज़्यादा खुशी की कोई बात नहीं कि मैं सुनूं कि मेरे बच्चे सच्चाई पर चलते हैं। इसलिए हमें ऐसे लोगों को अपनाना चाहिए, ताकि हम भी सच्चाई के लिए उनके साथी मददगार बन सकें। डेमेट्रियस की सब लोगों में, और खुद सच्चाई में भी अच्छी प्रतिष्ठा है; और हम भी गवाही देते हैं; और तुम जानते हो कि हमारी गवाही सच्ची है। 3 यूहन्ना 1:1 3-4,8,12

अपोक्रिफा

तीसरे ने लिखा, महिलाएं सबसे ताकतवर होती हैं: लेकिन सभी चीजों से ऊपर सत्य जीत दिलाता है। 1 एज्रा 3:12

1 एज़्रा 4: 13-41
फिर तीसरे ने, जिसने औरतों और सच्चाई के बारे में बात की थी, (यह ज़ोरोबाबेल था) बोलना शुरू किया। हे पुरुषों, न तो महान राजा, न ही पुरुषों की भीड़, और न ही शराब ही श्रेष्ठ है; तो फिर उन पर शासन कौन करता है, या उन पर किसका अधिकार है? क्या वे महिलाएं नहीं हैं? महिलाओं ने राजा और उन सभी लोगों को जन्म दिया है जो समुद्र और ज़मीन पर राज करते हैं। वे भी उन्हीं में से आए थे: और उन्होंने उन लोगों को पाला-पोसा जिन्होंने अंगूर के बाग लगाए, जहाँ से शराब आती है। ये पुरुषों के लिए कपड़े भी बनाती हैं; ये पुरुषों को गौरव प्रदान करती हैं; और महिलाओं के बिना पुरुष नहीं हो सकते। हां, और अगर मर्दों ने सोना-चांदी या कोई और अच्छी चीज़ इकट्ठा की है, तो क्या वे ऐसी औरत से प्यार नहीं करते जो सुंदर और खूबसूरत हो? और उन सब चीज़ों को छोड़कर, क्या वे मुँह नहीं खोलते, और मुँह खोलकर भी उस पर अपनी नज़रें गड़ाए नहीं रहते; और क्या सब लोग उसे चाँदी या सोने या किसी भी अच्छी चीज़ से ज़्यादा नहीं चाहते? एक आदमी अपने पिता को, जिसने उसे पाला-पोसा, और अपने देश को छोड़कर अपनी पत्नी से जुड़ जाता है। वह अपनी पत्नी के साथ जीवन बिताने के लिए तैयार नहीं रहता और न तो पिता, न माता, न देश को याद रखता है। इससे तुम्हें यह भी पता होना चाहिए कि औरतें तुम पर हुक्म चलाती हैं: क्या तुम मेहनत और मेहनत नहीं करते, और औरतों को सब कुछ नहीं देते और लाते हो? हां, एक आदमी अपनी तलवार लेता है, और लूटने और चोरी करने, समुद्र और नदियों पर नाव चलाने के लिए निकलता है; और शेर को देखकर अंधेरे में चला जाता है; और जब वह चोरी, लूटपाट और लूटपाट कर लेता है, तो उसे अपने प्रेमी के पास ले आता है। इसलिए आदमी अपनी पत्नी को अपने पिता या माता से ज़्यादा प्यार करता है। हां, बहुत से लोग ऐसे हैं जो औरतों के लिए पागल हो गए हैं, और उनके लिए नौकर बन गए हैं। औरतों के लिए भी बहुत से लोग मारे गए, गलती की और पाप किया। और अब क्या तुम मुझ पर विश्वास नहीं करते? क्या राजा अपनी शक्ति में महान नहीं है? क्या सभी क्षेत्र उसे छूने से नहीं डरते? फिर भी मैंने उसे और राजा की रखैल अपामे को, जो शानदार बार्टाकस की बेटी थी, राजा के दाहिने हाथ बैठे देखा, और उसने राजा के सिर से ताज उतारकर अपने सिर पर रख लिया, और अपने बाएं हाथ से राजा को मारा। और फिर भी, इन सबके बावजूद राजा उसे देखता रहा: अगर वह उस पर हंसती, तो वह भी हंसता था: लेकिन अगर वह उससे नाराज़ होती, तो राजा उसकी चापलूसी करता, ताकि वह फिर से उससे मिल जाए। हे पुरुषों, यह कैसे हो सकता है कि महिलाएं मजबूत न हों, जबकि वे ऐसा करती हैं? तब राजा और राजकुमारों ने एक दूसरे को देखा: और वह सच बोलने लगा। हे पुरुषों, क्या औरतें ताकतवर नहीं होतीं? धरती बड़ी है, आसमान ऊँचा है, सूरज अपनी दिशा में तेज़ है, क्योंकि वह आसमान को चारों ओर से घेर लेता है, और एक ही दिन में अपनी जगह पर वापस आ जाता है। क्या वह महान नहीं है जो इन चीज़ों को बनाता है? इसलिए सत्य महान है, और सभी चीज़ों से ज़्यादा मज़बूत है। सारी धरती सच्चाई के लिए चिल्लाती है, और आसमान उसे आशीर्वाद देता है: सारे काम उससे कांपते और थरथराते हैं, और उसके साथ कोई गलत काम नहीं होता। शराब बुरी है, राजा बुरा है, औरतें बुरी हैं, सभी इंसान बुरे हैं, और उनके सारे बुरे काम ऐसे ही हैं; और उनमें कोई सच्चाई नहीं है; वे अपने बुरे कामों की वजह से भी खत्म हो जाएंगे। जहां तक सच की बात है, वह हमेशा बना रहता है, और हमेशा मजबूत रहता है; वह हमेशा जीता है और जीतता है। वह किसी को पसंद नहीं करती और न ही कोई इनाम लेती है; बल्कि वह सही काम करती है, और सभी गलत और बुरे कामों से दूर रहती है; और सभी लोग उसके जैसे अच्छे काम करते हैं। उसके फैसले में कोई बुराई नहीं है; और वह हर ज़माने की ताकत, राज, ताकत और शान है। सच के भगवान की तारीफ़ हो। और यह कहकर वह चुप हो गया। और तब सभी लोग चिल्लाए, और कहा, सत्य महान है, और सभी चीजों से ऊपर शक्तिशाली है।

फिर भी जैसे निशानियाँ आ रही हैं, देखो, ऐसे दिन आएंगे, जब धरती पर रहने वाले बहुत सारे लोग पकड़े जाएंगे, और सच्चाई का रास्ता छिप जाएगा, और ज़मीन विश्वास से खाली हो जाएगी। 2 एज्रा 5:1

जहां तक विश्वास की बात है, वह बढ़ेगा, भ्रष्टाचार खत्म होगा, और सच्चाई, जो इतने लंबे समय से बेकार रही है, बताई जाएगी। 2 एज्रा 6:28

लेकिन सिर्फ़ फ़ैसला ही रहेगा, सच्चाई कायम रहेगी, और विश्वास मज़बूत होगा: असंयम खत्म हो जाता है, बेवफाई खत्म हो जाती है, नेकी बढ़ती है, और सच्चाई सामने आती है। 2 एज्रा 7: 34,44

जिसकी नज़र से गहराइयाँ सूख जाती हैं, और गुस्सा पहाड़ों को पिघला देता है; जिसकी सच्चाई गवाही देती है: हे अपने लोगों के पापों को मत देखो, बल्कि उन पर ध्यान दो जो सच्चाई से तुम्हारी सेवा करते हैं। क्योंकि सच तो यह है कि जन्म से ऐसा कोई आदमी नहीं है जिसने बुरा काम न किया हो; और विश्वासियों में भी ऐसा कोई नहीं है जिसने बुरा काम न किया हो। 2 एज्रा 8: 23,26,35

क्योंकि तूने पृथ्वी का न्याय सच्चाई से नहीं किया। 2 एज्रा 11:41

मैं टोबिट अपनी ज़िंदगी के सारे दिन सच्चाई और इंसाफ़ के रास्ते पर चला हूँ, और मैंने अपने भाइयों और अपने देश के लोगों के लिए बहुत से दान किए हैं, जो मेरे साथ असीरिया के देश निनवे आए थे। टोबिट 1:3

हे प्रभु, तू न्यायी है, और तेरे सारे काम और तेरे सारे मार्ग दया और सच्चाई के हैं, और तू सदा सच्चा और न्यायपूर्ण न्याय करता है। और अब तेरे फैसले बहुत हैं और सच्चे हैं; मेरे पापों और मेरे पुरखों के पापों के अनुसार मेरे साथ सज़ा कर; क्योंकि हमने तेरे हुक्म नहीं माने, और न तेरे सामने सच्चाई से चले। टोबिट 3: 2,5

क्योंकि यह उचित है कि तुम मेरी बेटी से विवाह करो; फिर भी मैं तुम्हें सच बताऊंगा। टोबिट 7:10

इस तरह सभी देश प्रभु की तारीफ़ करेंगे, और उसके लोग परमेश्वर को मानेंगे, और प्रभु अपने लोगों को ऊँचा करेगा; और जो लोग सच्चाई और न्याय से प्रभु परमेश्वर से प्यार करते हैं, वे सब खुश होंगे, और हमारे भाइयों पर दया करेंगे। टोबिट 14:7

तब अम्मोन के सब बेटों के सरदार अहीओर ने कहा, "मेरे मालिक, अपने सेवक के मुँह से एक बात सुन लो, और मैं तुम्हें इन लोगों के बारे में सच बताऊँगा, जो तुम्हारे पास रहते हैं और पहाड़ी इलाकों में रहते हैं; और तुम्हारे सेवक के मुँह से कोई झूठ नहीं निकलेगा।" जूडिथ 5:5

और मैं तुम्हारी सेना के मुख्य सेनापति होलोफर्नेस के सामने सच-सच बताने आ रहा हूँ; और मैं उसे एक रास्ता दिखाऊँगा, जिससे वह जाकर सारा पहाड़ी इलाका जीत लेगा, और अपने किसी भी आदमी की जान या शरीर नहीं खोएगा। जूडिथ 10:13

जो लोग उस पर भरोसा रखते हैं, वे सच्चाई को समझेंगे: और जो प्यार में वफ़ादार हैं, वे उसके साथ रहेंगे: क्योंकि उसकी कृपा और दया उसके पवित्र लोगों पर है, और वह अपने चुने हुए लोगों की परवाह करता है। सुलैमान की बुद्धि 3:9

इसलिए हम सच्चाई के रास्ते से भटक गए हैं, और नेकी की रोशनी हम पर नहीं चमकी, और नेकी का सूरज हम पर नहीं निकला। सुलैमान की बुद्धि 5:6

बुद्धि क्या है और कैसे आई, यह मैं तुम्हें बताऊंगा, और तुमसे कोई राज़ नहीं छिपाऊंगा, बल्कि उसके जन्म के शुरू से ही उसे ढूंढूंगा, और उसकी जानकारी को रोशनी में लाऊंगा, और सच को नज़रअंदाज़ नहीं करूंगा। सुलैमान की बुद्धि 6:22

खुद को बड़ा मत समझो, कहीं ऐसा न हो कि तुम गिर जाओ, और तुम्हारी आत्मा को बेइज्जत कर दो, और इस तरह भगवान तुम्हारे राज़ जान लें, और तुम्हें सभा के बीच में गिरा दें, क्योंकि तुम सच में भगवान का डर नहीं मानते थे, बल्कि तुम्हारा दिल धोखे से भरा है। सभोपदेशक 1:30

किसी भी तरह से सच्चाई के खिलाफ़ मत बोलो; बल्कि अपनी अज्ञानता की गलती से शर्मिंदा हो जाओ। मरते दम तक सच्चाई के लिए कोशिश करो, और प्रभु तुम्हारे लिए लड़ेगा। सभोपदेशक 4 :25,28

सच्चाई की जांच किए बिना दोष न दें: पहले समझें, और फिर डांटें। सभोपदेशक 11:7

पक्षी भी अपने जैसे ही लोगों के पास चले जाएंगे; वैसे ही सत्य उनके पास लौटेगा जो उसमें अभ्यास करते हैं। सभोपदेशक 27:9

अशुद्ध चीज़ से क्या साफ़ किया जा सकता है? और जो चीज़ झूठी है उससे क्या सच निकल सकता है? सभोपदेशक 34:4

और इन सबसे बढ़कर, सबसे ऊपर, सबसे ऊँचे परमेश्वर से प्रार्थना करो, कि वह तुम्हें सच्चाई के मार्ग पर ले चले। सभोपदेशक 37:15

और जिस जगह तुम रहते हो, वहाँ चोरी करने से, और परमेश्वर और उसके करार की सच्चाई से; और खाने पर कोहनी टेकने से; और लेने-देने में मज़ाक करने से; सभोपदेशक 41:19

क्योंकि तूने हमारे साथ जो कुछ किया है, उसमें तू नेक है; हां, तेरे सब काम सच्चे हैं, तेरे रास्ते सही हैं, और तेरे सब फैसले सच्चे हैं। तूने हम पर और हमारे पुरखों के पवित्र शहर यरूशलेम पर जो भी मुसीबतें डाली हैं, उनमें तूने सच्चा इंसाफ़ किया है; क्योंकि हमारे पापों की वजह से तूने ये सब मुसीबतें हम पर सच्चाई और इंसाफ़ के साथ डाली हैं। अजर्याह की प्रार्थना 1: 4-5

तो वह उनके बीच में खड़ा होकर बोला, "हे इस्राएल के बेटों, क्या तुम इतने मूर्ख हो कि बिना जांचे-परखे या सच्चाई जाने तुमने इस्राएल की बेटी को दोषी ठहराया है?" सुज़ाना 1:48

इसलिए सब लोगों पर उनका डर और खौफ छा गया, और वे कहने लगे, उनमें न तो सच्चाई है, न ही नेकी; क्योंकि उन्होंने अपना वादा और कसम तोड़ दी है। 1 मकाबी 7:18

प्रभु परमेश्वर हम पर नज़र रखता है, और सच में हमें दिलासा देता है, जैसा कि मूसा ने अपने गीत में कहा था, जिसने उनके चेहरों पर गवाही दी थी, और कहा था, और उसे अपने सेवकों से दिलासा मिलेगा। 2 मकाबी 7:6

एनोह

धरती से सारी बुराई को मिटा दो और हर बुरे काम को खत्म कर दो: और नेकी और सच्चाई का पौधा उगने दो: और यह एक आशीर्वाद साबित होगा; नेकी और सच्चाई के काम हमेशा के लिए सच्चाई और खुशी में लगाए जाएंगे। एनोक 10:16

और उन दिनों मैं स्वर्ग में आशीर्वाद के भंडार खोलूंगा, ताकि उन्हें इंसानों के काम और मेहनत पर धरती पर उतार सकूं। और सच्चाई और शांति दुनिया के सभी दिनों में और इंसानों की सभी पीढ़ियों में एक साथ जुड़ी रहेंगी। हनोक 11:1-2

तब उरीएल, जो मेरे साथ पवित्र स्वर्गदूतों में से एक था और उनका मुखिया था, ने कहा: हनोक, तू क्यों पूछ रहा है, और तू सच्चाई के लिए क्यों उत्सुक है? हनोक 21:5

और उसने मुझसे कहा: हनोक, तुम मुझसे पेड़ की खुशबू के बारे में क्यों पूछ रहे हो, और तुम सच क्यों जानना चाहते हो? हनोक 25:1

और अब मैं यह राज़ जानता हूँ, कि पापी लोग नेकी की बातों को कई तरह से बदलेंगे और तोड़-मरोड़ देंगे, और बुरी बातें बोलेंगे, और झूठ बोलेंगे, और बड़े-बड़े धोखे करेंगे, और अपनी बातों के बारे में किताबें लिखेंगे। लेकिन जब वे मेरी सारी बातें अपनी भाषा में सच-सच लिखेंगे, और मेरी बातों में कुछ भी नहीं बदलेंगे या कम नहीं करेंगे, बल्कि उन सब बातों को सच-सच लिखेंगे जो मैंने उनके बारे में पहले गवाही दी थी। तब, मैं एक और राज़ जानता हूँ, कि नेक और समझदार लोगों को किताबें दी जाएँगी ताकि वे खुशी, सच्चाई और बहुत समझदारी का कारण बनें। और उन्हें किताबें दी जाएँगी, और वे उन पर विश्वास करेंगे और उनसे खुश होंगे, और तब सभी नेक लोगों को, जिन्होंने उनसे नेकी के सभी रास्ते सीखे हैं, इनाम मिलेगा। एनोक 104:10-13

और अब, मेरे पिता, मैं आपसे गुज़ारिश करने और विनती करने आया हूँ कि आप हमारे पिता हनोक के पास जाएँ और उनसे सच्चाई सीखें, क्योंकि उनका निवास स्थान स्वर्गदूतों के बीच है। हनोक 106:7

और उसका पिता लेमेक डर गया और मेरे पास भाग गया, और विश्वास नहीं किया कि वह उससे पैदा हुआ था, बल्कि यह कि वह स्वर्ग के स्वर्गदूतों की तरह था; और देखो मैं तुम्हारे पास आया हूँ ताकि तुम मुझे सच्चाई बता सको। हनोक 106:12

और अब अपने बेटे लेमेक को बता दे कि जो पैदा हुआ है, वह सच में तेरा बेटा है, और उसका नाम नूह रखना; क्योंकि वह तेरे पास छोड़ दिया जाएगा, और वह और उसके बेटे उस तबाही से बच जाएँगे, जो धरती पर सारे पाप और सारे बुरे कामों की वजह से आएगी, जो उसके दिनों में धरती पर पूरी हो जाएगी। हनोक 106:18

और अब, मेरे बेटे, जाओ और अपने बेटे लेमेक को बता दो कि यह बेटा, जो पैदा हुआ है, सच में उसका बेटा है, और यह झूठ नहीं है। हनोक 107:2

जैशर

राजा ने कहा, "क्या तुमने सुना है कि जादूगरों ने क्या कहा है?" अब मुझे सच-सच बताओ, तुमने कैसे सुना; और अगर तुम सच बोलोगे तो तुम बरी हो जाओगे।" और यह देखकर कि राजा का गुस्सा इतना भड़क गया है, तेराह ने राजा से कहा, "मेरे मालिक और राजा, आपने सच सुना है, और जो ज्ञानियों ने कहा है वह सही है।" राजा ने कहा, "तुमने यह कैसे किया कि मेरे हुक्म को तोड़कर मुझे एक बच्चा दिया जो तुमने पैदा नहीं किया, और उसका दाम लिया?" यशेर 12:12-13

और उस आदमी ने जज सेराक के सामने अपनी बात रखी, तो हेदाद ने जवाब दिया, ऐसा नहीं है, लेकिन बात ऐसी है; और जज ने यात्री से कहा, यह आदमी हेदाद तुमसे सच कह रहा है, क्योंकि वह सपनों का सही मतलब

बताने के लिए शहरों में मशहूर है। और वह आदमी जज की बात सुनकर चिल्लाया, और कहा, ऐसा नहीं मेरे मालिक, क्योंकि उसी दिन मैंने उसे गधे पर रस्सी और लबादा दिया था, ताकि वह उन्हें अपने घर में बांधे; और वे दोनों जज के सामने बहस करने लगे, एक ने कहा, बात ऐसी थी, और दूसरे ने कुछ और कहा। जशेर 18:34-35

जज ने एलीएजेर से कहा, "यह आदमी तुमसे सच बोल रहा है, इसे इसकी मज़दूरी दो, क्योंकि हमारे देश में यही रिवाज है।" एलीएजेर ने जज की बातें सुनीं और उसने एक पत्थर उठाकर जज को मारा, और पत्थर उसके माथे पर लगा, और जज के माथे से बहुत खून बहने लगा। एलीएजेर ने कहा, "अगर तुम्हारे देश में यही रिवाज है तो इस आदमी को वह दो जो मुझे देना चाहिए था, क्योंकि यह तुम्हारा फैसला था, तुमने ही यह तय किया था।" यशायाह 19:21

और याकूब के बेटों ने हेब्रोन के राजा को जवाब दिया, "इन सभी राजाओं के पास भेजो, और अगर तुम हमसे सच बोलते हो, तो वे सब एक-एक करके हमारे सामने आएं, और अगर वे हमारे पास बिना हथियार के आएं, तो हम जान जाएंगे कि वे हमसे शांति चाहते हैं। इसलिए हम तुम्हारे पास इसलिए आए हैं कि हमारे बीच शांति का समझौता हो, और इसलिए अब तुम हमारे साथ शांति और सच्चाई का वादा करो, कि जैसे हमने तुम्हारे साथ दखल नहीं दिया, वैसे ही तुम भी हमारे साथ दखल नहीं दोगे।" याशेर 40:43,46

और यूसुफ ने यहूदा से कहा, "तुम सच कहते हो और आज तुमने अपनी ताकत के बारे में जो कहा है, वह सच साबित हो गया है, और तुम्हारा परमेश्वर जो तुमसे खुश है, तुम्हारी भलाई बढ़ाए; लेकिन मुझे सच-सच बताओ कि तुम अपने सभी भाइयों में से उस लड़के के लिए मुझसे क्यों झगड़ते हो, जबकि उनमें से किसी ने भी उसके बारे में मुझसे एक शब्द भी नहीं कहा।" और यूसुफ ने जवाब दिया, "तुम सच कहते हो, और तुम्हारे मुँह से झूठ नहीं निकलता, क्योंकि हमें यह भी बताया गया था कि इब्रियों में ताकत है और उनका परमेश्वर यहोवा उनसे बहुत खुश है, तो फिर उनके सामने कौन खड़ा हो सकता है?" यशेर 54:56,61

और उन्होंने उसके सामने दरवाज़े खोलकर, जो कुछ यूसुफ ने भेजा था, उसे दिखाया; उन्होंने हर एक को वह दिया जो यूसुफ ने भेजा था, और वह जान गया कि उन्होंने सच कहा था, और वह अपने बेटे के बारे में सुनकर बहुत खुश हुआ। याशेर 54:104

और मूसा जीवन भर अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानता रहा, और मूसा सच्चाई से, पूरे दिल और पूरी जान से यहोवा के सामने चलता रहा, वह जीवन भर सही रास्ते से नहीं हटा; वह उस रास्ते से न तो दाएँ मुड़ा और न बाएँ, जिस पर अब्राहम, इसहाक और याकूब चले थे। याशेर 73:37

जयन्ती समारोह

और मैं उनके बीच अपना पवित्र स्थान बनाऊंगा, और उनके साथ रहूंगा, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा, और वे सच्चाई और धार्मिकता से मेरे लोग होंगे। जुबलीज़ 1:16

और अगर मैं उनसे सच बोलूंगा, तो वे मुझे मार डालेंगे; क्योंकि उनकी आत्मा उनसे चिपकी हुई है, ताकि वे उनकी पूजा करें और उनका आदर करें। जुबलीज़ 12:7

और वह तुम्हारे साथ अपना करार फिर से करे। ताकि तुम हमेशा के लिए उसकी विरासत के लिए एक राष्ट्र बनो, और वह तुम्हारे और तुम्हारे वंश के लिए धरती के सभी दिनों में सच्चाई और नेकी से परमेश्वर बना रहे। जुबलीज़ 22:15

और जो बच गए हैं, वे अपनी बुराई से नेकी के रास्ते पर नहीं लौटेंगे, बल्कि वे सब धोखे और दौलत में खुद को ऊंचा उठाएंगे, ताकि वे अपने पड़ोसी का सब कुछ हड़प लें, और वे बड़ा नाम लेंगे, लेकिन सच्चाई और नेकी से नहीं, और वे अपनी गंदगी और अपनी गंदगी की खराबी से सबसे पवित्र जगह को गंदा कर देंगे। जुबली 23:21

और फिर मुड़कर उसने उसे चूमा और गले लगाया, और बहुत खुश हुआ; क्योंकि उसने अपने बेटे याकूब के बेटों को सच में देखा था। जुबलीज़ 31:21

और उसने उससे कहा: मेरे बेटे, मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी में तुझमें कोई गलत काम नहीं देखा, बल्कि सिर्फ़ अच्छे काम देखे हैं। फिर भी मैं तुझसे सच कहती हूँ, मेरे बेटे: मैं इसी साल मर जाऊँगी, और इस साल अपनी ज़िंदगी में ज़िंदा नहीं रहूँगी; क्योंकि मैंने अपनी मौत के दिन एक सपने में देखा है कि मैं एक सौ पचपन साल से ज़्यादा नहीं जीऊँगी: और देखो, मैंने अपनी ज़िंदगी के सारे दिन पूरे कर लिए हैं जो मुझे जीने हैं। जुबलीज़ 35:6

बाइबिल की खोई हुई पुस्तकें

लेकिन अगर समझ से तुम्हें मेरी बात सच नहीं लगती, कि ज़्यादा उम्र में अक्सर बच्चे होते हैं, और जो बांझ थीं, उन्होंने भी हैरानी से बच्चे दिए हैं; इसलिए तुम्हारी पत्नी अन्ना तुम्हारे लिए एक बेटी लाएगी, और तुम उसका नाम मरियम रखना; वह तुम्हारी मन्नत के अनुसार बचपन से ही प्रभु को समर्पित रहेगी, और अपनी माँ के गर्भ से ही पवित्र आत्मा से भर जाएगी; वह न तो कुछ अशुद्ध खाएगी और न ही पिएगी, और न ही आम लोगों के बीच खुले में बात करेगी, बल्कि प्रभु के मंदिर में ही रहेगी; ताकि उस पर किसी तरह की बदनामी या किसी बुरी बात का शक न हो। मरियम के जन्म का सुसमाचार 2:9-11

और यूसुफ ने जवाब दिया, "मेरे भगवान की कसम, मैंने उससे कोई मतलब नहीं निकाला।" लेकिन पुजारी ने कहा, "झूठ मत बोलो, बल्कि सच बताओ; तुमने उससे चुपके से शादी की है, और इस्राएल के बच्चों को नहीं बताया, और भगवान के ताकतवर हाथ के नीचे खुद को झुकाया है, ताकि तुम्हारी संतान को आशीर्वाद मिले।" और यूसुफ चुप रहा। प्रोटेवेंजेलियन 11:13-15

इसलिए उसने फिर अपने सेवकों को जकर्याह के पास यह कहकर भेजा, "हमें सच-सच बता, तेरा बेटा कहाँ है, क्योंकि तू जानता है कि तेरी जान मेरे हाथ में है।" प्रोटेवेंजेलियन 16:12

फिर वे उसे चूमने लगे, और अपने सिर और आँखों पर रखकर कहने लगे, यह तो सच है, और यह सच में हैरानी की बात है कि आग उसे जलाकर भस्म नहीं कर सकी। 1 यीशु मसीह के बचपन का सुसमाचार 3:9

तब दोनों बहनों ने अपनी माँ को बताया, "सच में हमारा भाई प्रभु यीशु मसीह की मदद और उस लड़की की दया से अपने पहले जैसे रूप में वापस आ गया है, जिसने हमें मरियम और उसके बेटे के बारे में बताया था।" 1 यीशु मसीह के बचपन का सुसमाचार 7:28

प्रभु यीशु ने उनसे कहा, "मुझ पर ऐसा जुर्म मत लगाओ, जिसके लिए तुम मुझे दोषी नहीं ठहरा सकते, बल्कि चलो उस लड़के से ही पूछ लें, जो सच सामने लाएगा।" 1 यीशु मसीह के बचपन का सुसमाचार 19:8

तब एलीएज़र, और एस्टेरियस, और एंटोनियस, और जेम्स, कैरस और सैमुअल, इसहाक और फिनीस, क्रिस्पस और अग्रिप्पा, हन्ना और यहूदा ने जवाब दिया, "हम धर्म बदलने वाले नहीं हैं, बल्कि यहूदियों की संतान हैं, और सच बोलते हैं, और जब मैरी की सगाई हुई थी, तब हम मौजूद थे।" निकोडेमस का सुसमाचार 2:12

पिलातुस ने कहा, तो क्या तुम राजा हो? यीशु ने जवाब दिया, तू कहता है कि मैं राजा हूँ: मैं इसी मकसद से पैदा हुआ, और इसी मकसद से दुनिया में आया; और इसी मकसद से आया, कि मैं सच की गवाही दूँ; और हर कोई जो सच का है, मेरी आवाज़ सुनता है। पिलातुस ने उससे पूछा, सच क्या है? यीशु ने कहा, सच स्वर्ग से है। पिलातुस ने कहा, इसलिए सच धरती पर नहीं है। यीशु ने पिलातुस से कहा, यकीन करो कि सच धरती पर उन लोगों के बीच है, जिनके पास फैसला करने की ताकत होती है, वे सच से चलते हैं, और सही फैसला करते हैं। निकोडेमस का सुसमाचार 3:10-14

जब यहूदियों ने यह सुना तो वे कांप उठे और निकोदेमुस पर दांत पीसते हुए उससे कहा, "तू उसकी शिक्षा को सच मान ले और मसीह के साथ तेरा भाग हो जाए!" निकोदेमुस का सुसमाचार 5:10

लेकिन जब सूबेदार ने देखा कि यीशु ने इस तरह चिल्लाकर प्राण त्याग दिए हैं, तो उसने परमेश्वर की बड़ाई की, और कहा, "सच में यह एक नेक आदमी था।" निकोडेमस का सुसमाचार 8:5

उन्होंने जवाब दिया, "हमारे पुरखों के प्रभु, अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर, और याकूब के परमेश्वर के जीवन की शपथ, जैसा हमने यीशु को उसके चेलों से बातें करते सुना, और उसे स्वर्ग पर चढ़ते देखा, वैसा ही हमने तुम्हें सच बताया है।" निकोडेमस का सुसमाचार 10:23

तब हन्ना और कैफा ने उन्हें अलग-अलग जगहों पर ले जाकर अलग-अलग जांच की; और उन्होंने एकमत होकर सच कबूल किया, और कहा, कि उन्होंने यीशु को देखा है। निकोडेमस का सुसमाचार 12:8

लेकिन अगर वह अपने इंसानी स्वभाव में इतना ताकतवर है, तो मैं सच में तुमसे कहता हूँ कि वह अपने दिव्य स्वभाव में सर्वशक्तिमान है, और कोई भी इंसान उसकी ताकत का सामना नहीं कर सकता। निकोडेमस का सुसमाचार 15:6

और जब मंदिर के चार सेवकों के हाथ में सोने और कीमती पत्थरों से सजी बड़ी किताब लाई गई, तो पिलातुस ने उन सबसे कहा, मैं तुम्हें तुम्हारे पुरखों के परमेश्वर की कसम देता हूँ, जिसने यह मंदिर बनाया और बनवाने का हुक्म दिया, कि तुम मुझसे सच मत छिपाना। निकोडेमस का सुसमाचार 22:3

जो लोग सच को तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं, उन्हें किसी भी तरह की बेकार की बातों से परेशान न होना पड़े, ताकि वे तुम्हें उस गॉस्पेल की सच्चाई से दूर न कर दें जिसका मैंने प्रचार किया है। और अब भगवान करे कि मेरे धर्म बदलने वाले लोग गॉस्पेल की सच्चाई का पूरा ज्ञान हासिल करें, भलाई करें, और अच्छे काम करें जिनसे मुक्ति मिलती है। लौदीकिया के लोगों को पॉल का पत्र 1:4-5

इसी वजह से, भगवान ने अपने बेटे जीसस क्राइस्ट को भेजा, जिनके बारे में मैं प्रचार करता हूँ, और जिनमें मैं लोगों को अपनी उम्मीदें रखने की सीख देता हूँ, जैसे कि वह इंसान जिसने गुमराह दुनिया पर इतनी दया की, ताकि, हे गवर्नर, वह दोषी न ठहराई जाए, बल्कि उसमें विश्वास, भगवान का डर, धर्म का ज्ञान और सच्चाई का प्यार हो। पॉल के काम और थेक्ला 4:7

देख, तू मन में सच्चाई चाहता है; और मन में तू मुझे बुद्धि सिखाएगा। 8:29

इस तरह पवित्र शास्त्र में लिखे इन महान और अच्छे लोगों की विनम्रता और भगवान का डर, आज्ञा मानने से, न सिर्फ़ हमें, बल्कि हमसे पहले की पीढ़ियों को भी बेहतर बनाया है; यहाँ तक कि उन सभी को भी जिन्होंने डर और सच्चाई के साथ उनके पवित्र वचनों को माना है। 9:1

सच तो यह है कि थोड़ी देर में उसकी इच्छा अचानक पूरी हो जाएगी। 11:14

हमारे पिता अब्राहम किस बात के लिए धन्य थे? क्या इसलिए नहीं कि उन्होंने विश्वास के द्वारा धार्मिकता और सच्चाई का काम किया? 14:12

हे प्यारे, परमेश्वर के तोहफ़े कितने धन्य और अद्भुत हैं। अमर जीवन! नेकी में चमक! पूरे भरोसे में सच्चाई! भरोसे में विश्वास! पवित्रता में संयम! हमें उसकी पवित्र इच्छा के अनुसार काम करना चाहिए; और सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए, अपने अंदर से सारी बुराई और अधर्म को, साथ ही सारा लालच, झगड़ा, बुरे व्यवहार, धोखा, कानाफूसी, बुराई; परमेश्वर से सारी नफ़रत, घमंड और शेखी; घमंड और महत्वाकांक्षा को दूर करना चाहिए। 1 क्लेमेंट टू द कोरिंथियंस 17:1-2,8

तो फिर उसने हम पर इतनी बड़ी दया दिखाई है; और खास तौर पर इसलिए कि हम जो ज़िंदा हैं, अब मरे हुए देवताओं को बलि नहीं चढ़ाते, न ही उनकी पूजा करते हैं, बल्कि उसके ज़रिए हमें सच्चाई के पिता का ज्ञान मिला है। 2 क्लेमेंट टू द कोरिंथियंस 2:8

अब जब हम एक दूसरे से सच बोलते हैं, तो दो एक हो जाते हैं, और दो शरीरों में एक आत्मा बिना कपट के रहती है: 2 क्लेमेंट टू द कोरिंथियंस 5:2

उसने यह इसलिए कहा, क्योंकि अगर इंसान को सच्चाई का रास्ता पता हो, तो भी वह अंधेरे के रास्ते से खुद को रोक नहीं पाएगा, और वह सही में खत्म हो जाएगा। बरनबास का जनरल एपिस्टल 4:6

जिसने अपने सिद्धांत का तोहफ़ा हमारे अंदर डाला है, वह जानता है कि मैंने कभी किसी को इससे ज़्यादा पक्का सच नहीं सिखाया; लेकिन मुझे भरोसा है कि तुम इसके लायक हो। बरनबास का जनरल एपिस्टल 8:14

इसी तरह वे लोग भी चलते हैं जो अच्छे लोगों को सताते हैं; सच्चाई से नफ़रत करते हैं; झूठ से प्यार करते हैं; जो नेकी का इनाम नहीं जानते, और न ही किसी अच्छी चीज़ से चिपके रहते हैं। बरनबास का जनरल एपिस्टल 15:3

और सच में ओनेसिमस खुद भी परमेश्वर में तुम्हारे अच्छे व्यवहार की बहुत तारीफ़ करता है: कि तुम सब सच्चाई के अनुसार जियो, और तुम्हारे बीच कोई पाखंड न हो। क्योंकि तुम यीशु मसीह से ज़्यादा किसी की नहीं सुनते जो तुमसे सच्चाई से बात करता है। इफिसियों को इग्नेशियस का पत्र 2:5

इसलिए जैसा कि रोशनी और सच्चाई दोनों के बच्चों को चाहिए; फूट और झूठी शिक्षाओं से दूर भागो; लेकिन जहाँ तुम्हारा चरवाहा है, वहाँ भेड़ों की तरह उसके पीछे चलो। इग्नेशियस का फिलाडेल्फिया के लोगों को पत्र 1:5

जिसे कुछ लोग नहीं जानते, इसलिए इनकार करते हैं; या यूँ कहें कि उसने खुद इनकार किया है, क्योंकि वे सच्चाई के बजाय मौत के हिमायती हैं। जिन्हें न तो भविष्यवाणियाँ, न मूसा का कानून, न ही आज तक खुद सुसमाचार, और न ही हममें से हर एक की तकलीफ़ें यकीन दिला पाई हैं। इग्नेशियस का स्मिरनियों को पत्र 2:8

इसलिए सच्चाई के लिए आपके सच्चे प्यार को जानते हुए, मैंने इन छोटे खतों के ज़रिए आपको समझाया है। इग्नेशियस का पॉलीकार्प को पत्र 3:5

इसलिए अपने मन की कमर कसकर, डर और सच्चाई के साथ प्रभु की सेवा करो; सारी खोखली और बेकार की बातें, और बहुतों की गलतियों को छोड़कर, उस पर विश्वास करो जिसने हमारे प्रभु यीशु मसीह को मरे हुओं में से ज़िंदा किया, और उसे महिमा और अपने दाहिने हाथ पर सिंहासन दिया। फिलिप्पियों को पॉलीकार्प का पत्र 1:6

क्योंकि न तो मैं, और न ही मेरे जैसा कोई और, उस धन्य और मशहूर पॉल की समझ तक पहुँच सकता है: जो खुद उन लोगों के साथ था जो उस समय रहते थे, और पूरी सटीकता और सच्चाई के साथ सच्चाई की बातें सिखाता था; और तुम्हारे पास से जाने के बाद भी तुम्हारे लिए एक चिट्ठी लिखी। फिलिप्पियों को पॉलीकार्प की चिट्ठी 2:2

और डीकन भी उसके सामने बेदाग हों, मसीह में परमेश्वर के सेवकों की तरह, न कि इंसानों के। झूठे इल्ज़ाम लगाने वाले न हों; दोहरी ज़बान वाले न हों; पैसे के प्यार करने वाले न हों; बल्कि हर बात में समझदार हों; दयालु हों, सावधान हों; और प्रभु की सच्चाई के अनुसार चलें, जो सबका सेवक था। फिलिप्पियों को पॉलीकार्प का पत्र 2:10

इसलिए इन बातों पर डटे रहो, और प्रभु की मिसाल पर चलो; विश्वास में पक्के और अटल रहो, भाईचारे से प्यार करो, एक-दूसरे से प्यार करो: सच्चाई में साथ रहो, एक-दूसरे के साथ दयालु और नरम रहो, किसी को बुरा मत समझो। पॉलीकार्प का फिलिप्पियों को लिखा पत्र 3:10

अब हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता; और वह खुद जो हमारे हमेशा के महायाजक हैं, परमेश्वर के पुत्र, यीशु मसीह, तुम्हें विश्वास और सच्चाई में और पूरी नरमी और उदारता में; सब्र और सहनशीलता में, सहनशीलता और पवित्रता में बनाते हैं। पॉलीकार्प का फिलिप्पियों को पत्र 4:10

मैंने उससे पूछा, लेडी, टावर पानी पर क्यों बना है? उसने जवाब दिया, मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि तुमने बिल्डिंग के बारे में ध्यान से पूछताछ करके बहुत समझदारी दिखाई, इसलिए तुम्हें सच पता चल जाएगा। 1 बुक ऑफ़ द शेफर्ड ऑफ़ हरमास (विज़न्स) 3:41

और भी बहुत सारे पत्थर जो तुमने टावर के चारों ओर रखे देखे हैं, लेकिन बिल्डिंग में नहीं लगाए गए; जो पत्थर मज़बूत हैं, वे वे हैं जिन्होंने सच्चाई को जाना है, लेकिन उसमें बने नहीं रहे, न ही संतों से जुड़े, और इसलिए वे बेकार हैं। 1 बुक ऑफ़ द शेफर्ड ऑफ़ हरमास (विज़न्स) 3:64

ये वे लोग हैं जिन्होंने वचन सुना था, और प्रभु के नाम पर बपतिस्मा लेने को तैयार थे; लेकिन सच्चाई के लिए ज़रूरी बड़ी पवित्रता को ध्यान में रखते हुए, वे पीछे हट गए, और अपनी बुरी इच्छाओं के पीछे फिर से चलने लगे। 1 हरमास के चरवाहे की किताब (दर्शन) 3:76

इसके अलावा उसने मुझसे कहा, सच से प्यार करो; और तुम्हारे मुँह से जो भी बात निकले वह सच हो। 2 हरमास के चरवाहे की किताब (आज्ञाएँ) 3:1

उसने मुझसे पूछा, क्यों? मैंने जवाब दिया, क्योंकि सर, मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी कोई सच्ची बात नहीं कही; बल्कि हमेशा दिखावे में रहा, और सभी लोगों के सामने झूठ को सच बताया; और किसी ने मेरी बात का खंडन नहीं किया, बल्कि सभी ने मेरी बातों पर भरोसा किया। तो फिर मैं कैसे जी सकता हूँ, जब मैंने ऐसा किया है? और उसने मुझसे कहा, तू ठीक और सच्चा सोचता है। क्योंकि तुझे, परमेश्वर के सेवक के तौर पर, सच्चाई पर चलना चाहिए था, और बुरे ज़मीर को सच्चाई की आत्मा के साथ नहीं मिलाना चाहिए, और न ही परमेश्वर की पवित्र और सच्ची आत्मा को दुखी करना चाहिए। और मैंने उससे कहा, सर, मैंने पहले कभी इन बातों पर इतनी लगन से ध्यान नहीं दिया। उसने जवाब दिया, अब तू उन्हें सुन रहा है: अब से ध्यान रखना, कि जो बातें तूने पहले अपने काम के लिए झूठी कही थीं, वे भी तेरे आज के सच से मानी जाएँ। क्योंकि वे बातें भी मानी जा सकती हैं, अगर तू आने वाले समय के लिए सच बोलेगा; और ऐसा करके तुम जीवन पा सकते हो। 2 हरमास के चरवाहे की किताब (आज्ञाएँ) 3:6-9

किसी भी अच्छे काम से दूर मत रहो, बल्कि उन्हें करो। उसने कहा, सुनो, उन अच्छे कामों का क्या फ़ायदा है जो तुम्हें करने चाहिए, ताकि तुम बच सको। सबसे पहले है विश्वास; प्रभु का डर; प्यार; मेल-मिलाप; बराबरी; सच्चाई; सब्र; पवित्रता। 2 हरमास के चरवाहे की किताब (आज्ञाएँ) 8:8

मैंने कहा, सर, मैं बहुत बेवकूफ हूँ, और इन बातों को नहीं समझता। मैं समझ नहीं पा रहा कि यह कैसे तकलीफ़ दे सकता है, और फिर भी बचा सकता है। उसने कहा, सुनो, और समझो। जिन्होंने कभी सच की तलाश नहीं की, न ही भगवान की महिमा के बारे में पूछा, बल्कि सिर्फ़ विश्वास किया, वे गैर-यहूदियों के मामलों में शामिल हैं। 2 हरमास के चरवाहे की किताब (आज्ञाएँ) 10:3

इसलिए जो लोग प्रभु में विश्वास में मज़बूत हैं और सच्चाई को अपनाए हुए हैं, वे ऐसी आत्माओं से नहीं जुड़ते, बल्कि उनसे दूर रहते हैं। लेकिन जो लोग शक करते हैं, और गैर-यहूदियों की तरह अक्सर पछताते हैं, वे उनसे सलाह लेते हैं, और मूर्तियों की पूजा करके अपने ऊपर बड़ा पाप करते हैं। इसलिए ऐसे बहुत से लोग हर मौके पर उनसे पूछते हैं; मूर्तियों की पूजा करते हैं; और मूर्ख हैं, और सच्चाई से दूर हैं। 2 हरमास के चरवाहे की किताब (आज्ञाएँ) 10:7-8

लेकिन जो लोग प्रभु का डर मानते हैं और परमेश्वर के बारे में सच्चाई की खोज करते हैं, और अपने सारे विचार प्रभु की ओर रखते हैं, वे जो कुछ उनसे कहा जाता है उसे समझ लेते हैं और तुरंत समझ जाते हैं, क्योंकि उनमें प्रभु का डर होता है। 2 हरमास के चरवाहे की किताब (आज्ञाएँ) 10:13

और मैंने कहा, सर, मैं जानना चाहता हूँ कि उस अच्छी इच्छा को कैसे पूरा किया जाए? वह कहता है, सुनो, परमेश्वर से डरो और उस पर भरोसा रखो, और सच्चाई और नेकी से प्यार करो, और जो अच्छा है वही करो। 2 हरमास के चरवाहे की किताब (आदेश) 12:10

तब देवदूत ने मुझसे कहा, क्या तुम इस चरवाहे को देख रहे हो? मैंने जवाब दिया, सर, मैं उसे देख रहा हूँ। उसने मुझसे कहा, यह खुशी और आनंद का संदेशवाहक है। इसलिए वह परमेश्वर के सेवकों के मन को भ्रष्ट कर देता है, और उन्हें सच्चाई से दूर कर देता है, उन्हें कई सुखों से खुश करता है, और वे नष्ट हो जाते हैं। 3 हरमास के चरवाहे की किताब (समानताएँ) 6:10

इसलिए ये लोग सिर्फ़ सच्चाई से भटक गए हैं, और इसलिए उनके लिए पछतावे में अभी भी उम्मीद बची हुई है। क्योंकि ऐसे भटकने से फिर से जी उठने की कुछ उम्मीद बची रहती है; लेकिन जो मर गए हैं, वे हमेशा के लिए पूरी तरह से चले गए हैं। 3 हरमास के चरवाहे की किताब (समानताएँ) 6:15

जिन्होंने अपनी छड़ियों में दो हिस्से सूखे और दूसरे हरे दिए; वे वे लोग हैं जो वाकई वफ़ादार रहे हैं, लेकिन साथ ही अमीर और अच्छी चीज़ों से भरे हुए हैं; और इस वजह से उन्होंने बाहर के गैर-यहूदियों के बीच मशहूर होने की चाहत की, और इस तरह वे बहुत घमंड में आ गए, और ऊँची बातों को टारगेट करने लगे, और सच्चाई को छोड़ दिया। 3 हरमास के चरवाहे की किताब (समानताएँ) 8:70

पहले को विश्वास कहते हैं; दूसरे को संयम; तीसरे को शक्ति; चौथे को धैर्य; इनके नीचे जो बाकी हैं, वे हैं, सादगी, मासूमियत, पवित्रता, खुशी, सच्चाई, समझ, मेल-मिलाप, दान। 3 हरमास के चरवाहे की किताब (समानताएँ) 9:142

क्योंकि जैसे उनका पहाड़ बंजर और बिना फल वाला है; वैसे ही ऐसे लोग भी ईसाई कहलाते हैं, पर उनमें विश्वास नहीं होता; और न ही उनमें सच्चाई का कोई फल होता है। 3 हरमास के चरवाहे की किताब (समानताएँ) 9:182

और उनमें से कुछ टीचर होने के नाते उन्होंने पूरी ईमानदारी से उपदेश दिया और सिखाया, और किसी भी बुरी इच्छा के आगे ज़रा भी नहीं झुके, बल्कि हमेशा नेकी और सच्चाई पर चलते रहे। 3 बुक ऑफ़ द शेफर्ड ऑफ़ हरमास (सिमिलिट्यूड्स) 9:216

अब उन गोल और चमकीले पत्थरों के बारे में भी सुनो: ये सब इसी सफेद पहाड़ के हैं। लेकिन वे गोल पाए जाते हैं, क्योंकि उनके धन ने उन्हें सच्चाई से थोड़ा दूर कर दिया है और उनकी आँखों को चौंधिया दिया है: फिर भी वे कभी प्रभु से दूर नहीं हुए, न ही उनके मुँह से कोई बुरी बात निकली है; बल्कि सब नेकी, और अच्छाई, और सच्चाई है। इसलिए जब प्रभु ने उनके मन को देखा, और यह कि वे सच्चाई को सजाएँ, तो उसने आज्ञा दी कि वे अच्छाई करते रहें, और उनका धन कम कर दिया जाए: क्योंकि वह नहीं चाहता था कि उन्हें पूरी तरह से हटा दिया जाए, ताकि वे जो बचा है उससे कुछ अच्छा कर सकें, और परमेश्वर के लिए जी सकें; क्योंकि वे भी अच्छी किस्म के हैं। 3 हरमास के चरवाहे की किताब (समानताएँ) 9:255-258

और मैंने ऊँची आवाज़ में कहा, हे प्रभु, मैंने पाप किया है कि मैं बैठा और तेरा न्याय किया, तू जो सच्चाई से सबका बदला लेता है। पिलातुस का हेरोदेस को पत्र

यीशु मसीह को, जिनके बारे में मैंने तुम्हें अपनी पिछली बात में पूरी तरह बताया था, आखिरकार लोगों की मर्ज़ी से एक कड़ी सज़ा दी गई, हालाँकि मैं तैयार नहीं था और डर रहा था। सच कहूँ तो, किसी भी ज़माने में इतना अच्छा और सख़्त आदमी न कभी हुआ था और न कभी होगा। लेकिन लोगों ने बहुत कोशिश की, और उनके सभी शास्त्रियों, सरदारों और बुजुर्गों ने सच्चाई के इस दूत को, उनके अपने पैगंबरों को, हमारे साथ सिबिल की तरह, सूली पर चढ़ाने पर सहमति जताई, जो इसके उलट सलाह दे रहे थे; और जब उन्हें फाँसी दी गई तो अलौकिक संकेत दिखाई दिए, और दार्शनिकों के फैसले में पूरी दुनिया को बर्बादी का खतरा पैदा हो गया। पोंटियस पिलातुस से टिबेरियस सीज़र

और जब सीज़र ने यह कहा और खुद क्राइस्ट का नाम लिया, तो देवताओं की सारी भीड़ एक साथ गिर पड़ी, और जहाँ सीज़र सीनेट के साथ बैठा था, वहाँ धूल की तरह हो गई। और सीज़र के पास खड़े सभी लोग शब्द के उच्चारण और अपने देवताओं के पतन के कारण काँप उठे, और डर के मारे वे सब अपने-अपने घर चले

गए, यह सोचकर कि क्या हुआ था। और सीज़र ने पिलातुस को सुरक्षित रखने का आदेश दिया, ताकि वह यीशु के बारे में सच्चाई जान सके। और अगले दिन जब सीज़र पूरी सीनेट के साथ कैपिटल में बैठा, तो उसने पिलातुस से फिर से पूछताछ करने का बीड़ा उठाया। और सीज़र ने कहा, सच कहो, सबसे बुरे आदमी, क्योंकि यीशु के खिलाफ़ जो तुमने बुरा काम किया था, उसके ज़रिए यहाँ भी तुम्हारे बुरे कामों का पता चला, जिससे देवताओं का नाश हुआ। पिलातुस का ट्रायल और सज़ा

ईडन की भूली हुई किताबें

भगवान ने फिर हव्वा से कहा, उसने बगीचे में तुमसे क्या वादा किया था, 'जब तुम पेड़ का फल खाओगे, तो तुम्हारी आँखें खुल जाएँगी, और तुम भगवान जैसे बन जाओगे, और अच्छे और बुरे को जान जाओगे।' लेकिन देखो! उसने तुम्हारे शरीर को आग से जला दिया है, और बगीचे के स्वाद के लिए तुम्हें आग का स्वाद चखाया है; और तुम्हें आग की जलन, और उसकी बुराई, और तुम पर उसकी ताकत दिखाई है। तुम्हारी आँखों ने वह अच्छाई देखी है जो उसने तुमसे छीन ली है, और सच में उसने तुम्हारी आँखें खोल दी हैं; और तुमने वह बगीचा देखा है जिसमें तुम मेरे साथ थे, और तुमने वह बुराई भी देखी है जो शैतान की तरफ से तुम पर आई है। लेकिन जहाँ तक भगवान का दर्जा है, वह तुम्हें नहीं दे सकता, न ही वह तुमसे अपनी बात पूरी कर सकता है। बल्कि, वह तुम्हारे और तुम्हारे बाद आने वाले वंश के खिलाफ़ बहुत नाराज़ था। और भगवान ने उनसे अपना वचन वापस ले लिया। 1 आदम और हव्वा की किताब 46:6-8

उन्होंने मेरे हुक्मों और मेरे जुए को ठुकरा दिया है, बेकार वंश पैदा हुआ है, जो भगवान से नहीं डरता, और वे मेरे सामने झुकना नहीं चाहते, बल्कि बेकार देवताओं के सामने झुकने लगे हैं, और मेरी एकता को नकार दिया है, और पूरी धरती को झूठ, गुनाहों, घिनौनी बदचलनी, यानी एक-दूसरे के साथ, और हर तरह की दूसरी गंदी बुराइयों से भर दिया है, जिनके बारे में बताना भी घिनौना है। एनोक के राज़ 34:1

या अगर एक आदमी ज़बान के धोखे से दूसरे के सामने अच्छा दिखे, लेकिन उसके दिल में बुराई हो, तो क्या दूसरा उसके दिल की धोखेबाज़ी को नहीं समझेगा, और वह खुद दोषी नहीं ठहराया जाएगा, क्योंकि उसका झूठ सबके सामने साफ़ था? एनोक के राज़ 46:3

प्रभु ने कहा: मुझमें न तो कोई कसम है, न ही अन्याय, बल्कि सच्चाई है। अगर इंसानों में सच्चाई नहीं है, तो उन्हें 'हाँ, हाँ' या 'नहीं, नहीं' शब्दों की कसम खानी चाहिए! एनोक के रहस्य 49:2-3

हर घमंडी और बड़ाई करने वाला इंसान प्रभु को नफ़रत है, और हर झूठी बात, जो झूठ में लिपटी हो; उसे मौत की तलवार की धार से काटा जाएगा, और आग में फेंक दिया जाएगा, और वह हमेशा जलती रहेगी। एनोक के राज़ 63:4

मेरे बच्चों, धीरज से, नरमी से, ईमानदारी से, गुस्से में, दुख में, विश्वास और सच्चाई से, वादों पर भरोसा करते हुए, बीमारी में, बुरे बर्ताव में, ज़ख्मों में, लालच में, नंगेपन में, तंगी में, एक-दूसरे से प्यार करते हुए चलो, जब तक तुम इस बुराइयों के ज़माने से बाहर नहीं निकल जाते, ताकि तुम कभी न खत्म होने वाले समय के वारिस बन जाओ। एनोक के राज़ 66:7

और प्रभु की दया उन पर होती है जो उससे सच में प्यार करते हैं, और प्रभु अपने सेवकों को दया से याद रखता है। प्रभु उन लोगों के प्रति वफ़ादार है जो उससे सच में प्यार करते हैं। क्योंकि हे परमेश्वर, कौन ताकतवर है जो सच में तेरा शुक्रिया अदा न करे? मेरी ज़बान और मेरे होठों को सच की बातों से बचा; गुस्सा और बेवजह

का गुस्सा मुझसे दूर रखो। और मिले-जुले लोगों के बीच वाचा के बच्चे बुराई में उनसे आगे निकल गए। उनमें से कोई भी ऐसा नहीं था जिसने यरूशलेम के बीच दया और सच्चाई दिखाई हो। सोलोमन के भजनों से चुने हुए अंश

प्रभु मेरे सिर पर ताज की तरह है, और मैं उसके बिना नहीं रह सकता। उन्होंने मेरे लिए सच्चाई का ताज बुना, और उससे तेरी डालियाँ मुझमें फूट पड़ीं। सोलोमन की स्तुति 1:1-2

सत्य का वचन सुनो, और परमप्रधान का ज्ञान प्राप्त करो। और हे मुझे सच्चाई से जानने वालों, मेरे ज्ञान को समझो। सुलैमान के गीत 8:9,13

सत्य हमेशा के लिए एक हमेशा रहने वाला ताज है। धन्य हैं वे जो इसे अपने सिर पर धारण करते हैं: यह बहुत कीमती पत्थर है; और ताज के कारण युद्ध हुए हैं। सोलोमन के गीत 9:8-9

और उसने मुझे जो खोला, वह मेरे उद्धार का कारण हुआ; और मैं उसके मार्ग पर उसकी शांति से, सच्चाई के मार्ग पर दौड़ा: शुरू से लेकर आखिर तक मैंने उसका ज्ञान पाया: और मैं सच्चाई की चट्टान पर स्थापित हुआ, जहाँ उसने मुझे स्थापित किया था: सोलोमन के गीत 11:3-5

उसने मुझे सच की बातों से भर दिया है; ताकि मैं वही बोल सकूँ; और पानी की धारा की तरह मेरे मुँह से सच बहता है, और मेरे होंठ उसका फल दिखाते हैं। सोलोमन की स्तुति 12:1-2

क्योंकि वचन का निवास स्थान मनुष्य है: और उसका सत्य प्रेम है। धन्य हैं वे जो उसके द्वारा सब कुछ समझ गए हैं, और प्रभु को उसके सत्य में जान गए हैं। हालेलुयाह। सोलोमन के गीत 12:11-12

मुझे अपने सत्य के भजन सिखा, ताकि मैं तुझमें फल ला सकूँ: और अपनी पवित्र आत्मा की वीणा मेरे लिए खोल, कि मैं उसके सभी सुरों से तेरी स्तुति कर सकूँ, हे प्रभु। सोलोमन के गीत 14:7-8

उसमें मुझे आँखें मिली हैं और मैंने उसका पवित्र दिन देखा है: कान मेरे हो गए हैं और मैंने उसकी सच्चाई सुनी है। सोलोमन के गीत 15:3-4

और सच्चाई के विचार ने मुझे आगे बढ़ाया। और मैं उसके पीछे चला और भटका नहीं: और जिन्होंने मुझे देखा वे सब हैरान थे: और उन्होंने मुझे एक अजीब इंसान समझा: और जिसने मुझे जाना और पाला, वह अपनी पूरी काबिलियत में सबसे ऊँचा है। और उसने अपनी दया से मुझे बड़ा किया, और मेरे विचारों को अपनी सच्चाई की ऊँचाई तक पहुँचाया। सोलोमन की स्तुति 17:5-7

प्रकाश को अंधकार से पराजित न होने दें; न ही सत्य को असत्य से दूर भागने दें। सोलोमन की स्तुति 18:6

और उन्होंने उस प्रेरणा से सच कहा जो परमप्रधान ने उनमें फूँकी थी; उसके नाम की स्तुति और बड़ी शोभा हालेलुयाह। सोलोमन के गीत 18:19

और तुम उसकी दया और कृपा पाओगे; और तुम उसकी पवित्रता की तारीफ़ में सच्चाई से फलते-फूलते रहोगे। उसके नाम की तारीफ़ और आदर हो। हालेलुयाह। सोलोमन के गीत 20:9

और उसके सिर पर वह सिर दिखाई दिया जो परमपिता परमेश्वर की ओर से सत्य का पुत्र प्रकट हुआ, और उसने सब कुछ विरासत में लिया और उस पर अधिकार कर लिया। और बहुतों की सोच बेकार हो गई। सोलोमन के गीत 23:16-17

और प्रभु ने उन सब की कल्पनाओं को नष्ट कर दिया जिनके पास सच्चाई नहीं थी। क्योंकि जो लोग अपने दिलों में घमंडी थे, उनमें समझ की कमी थी, और इसलिए उन्हें नकार दिया गया, क्योंकि सच्चाई उनके पास नहीं थी। सोलोमन के गीत 24:8-9

और मैं सच्चाई में ताकतवर और तेरी नेकी से पवित्र हो गया; और मेरे सब दुश्मन मुझसे डरते थे; और मैं यहोवा के नाम से तारीफ़ के काबिल हो गया, और उसकी नरमी से नेक ठहराया गया, और उसका आराम हमेशा-हमेशा के लिए है। हालेलुयाह। सोलोमन के भजन 25:10-11

प्रभु के सामने गहरे गड्ढे पिघल गए: और उनके आने से अंधेरा खत्म हो गया: गलती भटक गई और उनके हाथों खत्म हो गई: और मूर्खता को चलने का कोई रास्ता नहीं मिला, और वह प्रभु की सच्चाई में डूब गई। सोलोमन की स्तुति 31:1-2

धन्य लोगों के दिलों में खुशी होती है, और उनमें रहने वाले से रोशनी होती है: और सत्य से शब्द, जो खुद से पैदा हुआ था: क्योंकि वह परमप्रधान की पवित्र शक्ति से मजबूत होता है: और वह हमेशा-हमेशा के लिए बेफिक्र रहता है। हालेलुयाह। सोलोमन के गीत 32:1-2

और तुम्हें सच्चाई के रास्ते पर समझदार बनाऊँगा: ताकि तुम बर्बाद न हो जाओ और खत्म न हो जाओ: मेरी बात सुनो और छुटकारा पाओ। क्योंकि मैं तुम्हारे बीच परमेश्वर की कृपा के बारे में बता रहा हूँ: और मेरे ज़रिए तुम छुटकारा पाओगे और धन्य होगे। सोलोमन की स्तुति 33:8-9

मैं सत्य की रोशनी की ओर ऐसे गया जैसे रथ में सवार होऊं: और सत्य ने मुझे लिया और मुझे आगे बढ़ाया: और मुझे गड्ढों और नालियों के पार ले गया; और चट्टानों और लहरों से इसने मुझे बचाया: और यह मेरे लिए मुक्ति का आश्रय बन गया: और मुझे अमर जीवन की बाहों पर बिठाया: और यह मेरे साथ चला और मुझे आराम दिया, और मुझे भटकने नहीं दिया, क्योंकि यह सत्य था; और मैंने कोई जोखिम नहीं उठाया, क्योंकि मैं उसके साथ चला; और मैंने किसी भी चीज़ में गलती नहीं की क्योंकि मैंने सत्य का पालन किया। क्योंकि गलती उससे दूर भागती है, और उससे मिलती नहीं: लेकिन सत्य सही रास्ते पर चलता है, और जो कुछ मैं नहीं जानता था, उसने मुझे गलती के सभी जहर और मौत की विपत्तियों को स्पष्ट कर दिया, जिन्हें वे मिठास समझते हैं: और मैंने विनाश के नाश करने वाले को देखा, जब बिगड़ी हुई दुल्हन सजी हुई थी: और दूल्हे को जो बिगाड़ता है और बिगड़ जाता है; और मैंने सत्य से पूछा 'ये कौन हैं?'; और उसने मुझसे कहा, 'धोखेबाज़ और गलती यही हैं: और वे अपने प्रेमी और उसकी दुल्हन में एक जैसे हैं: और वे पूरी दुनिया को गुमराह करते हैं और बिगाड़ते हैं: और वे बहुतों को दावत में बुलाते हैं, और उन्हें अपने नशे की शराब पिलाते हैं, और उनकी समझ और ज्ञान छीन लेते हैं, और इस तरह वे उन्हें बिना समझ के बना देते हैं; और फिर वे उन्हें छोड़ देते हैं; और फिर ये पागलों की तरह बिगाड़ते हुए घूमते हैं: यह देखते हुए कि-वे बिना दिल के हैं, और न ही वे इसकी तलाश करते हैं! और मुझे समझदार बनाया गया ताकि मैं धोखेबाज़ के हाथों में न पड़ूँ; और मैंने खुद को बधाई दी क्योंकि सच्चाई मेरे साथ थी, और मैं स्थापित हुआ और जीया और छुड़ाया गया, और मेरी नींव प्रभु के हाथ पर रखी गई: क्योंकि उसने मुझे स्थापित किया। सोलोमन के गीत 38:1-17

प्रभु के सभी बच्चे उसकी तारीफ़ करेंगे, और उसके विश्वास की सच्चाई को इकट्ठा करेंगे। क्योंकि सच्चाई के पिता ने मुझे याद रखा: जिसने मुझे शुरू से रखा था: ताकि वह अपने नाम की सच्चाई से हमेशा के लिए

आत्माओं को बचा सके: जो लोग उससे प्यार करते हैं, उनमें से एक नया गीत उठता है। हालेलुयाह। सोलोमन के गीत 41:1,9,17

इन सच्चाइयों को ध्यान से समझाते हुए और उन्हें साफ़ करके, उसने दिखाया कि अगर कोई इंसान बुरा करने की सोच भी ले, तो उसे असल में करने की तो बात ही छोड़ दें, वह पकड़ा जाएगा, क्योंकि उसने यह साफ़ कर दिया कि परमेश्वर की शक्ति पूरे कानून में फैली हुई है। अरिस्टियास का पत्र 6:8

क्योंकि हमारे कानून बिना सोचे-समझे या मन में आए पहले ख्याल के हिसाब से नहीं बनाए गए हैं, बल्कि सच्चाई और सही वजह बताने के लिए बनाए गए हैं। अरिस्टियास का पत्र 6:51

राजा ने उसकी तारीफ़ की और फिर दूसरे से पूछा कि वह सच कैसे बनाए रख सकता है? सवाल के जवाब में उसने कहा, यह समझकर कि झूठ सभी इंसानों के लिए, और खासकर राजाओं के लिए बहुत बेइज्जती लाता है। क्योंकि जब उनके पास जो चाहें करने की ताकत है, तो वे झूठ का सहारा क्यों लें? इसके अलावा, हे राजा, तुम्हें हमेशा याद रखना चाहिए कि भगवान सच से प्यार करने वाला है। अरिस्टियास का लेटर 8:6-7

राजा ने कहा कि इस आदमी ने भी ठीक जवाब दिया और दसवें आदमी से पूछा, समझदारी का फल क्या है? और उसने जवाब दिया, कि एक आदमी को खुद में यह एहसास होना चाहिए कि उसने कोई बुराई नहीं की है और उसे अपनी ज़िंदगी सच्चाई में जीनी चाहिए। क्योंकि इन्हीं से, हे महान राजा, तुम्हें सबसे बड़ी खुशी और आत्मा की दृढ़ता और भगवान में मज़बूत विश्वास मिलता है अगर तुम अपने राज्य को पवित्रता से चलाते हो। अरिस्टियास का पत्र 9:42-43

और जैसा कि सभी यहूदियों का रिवाज है, उन्होंने समुद्र में अपने हाथ धोए और भगवान से प्रार्थना की और फिर उस खास हिस्से को पढ़ने और उसका अनुवाद करने में लग गए जिस पर वे काम कर रहे थे, और मैंने उनसे सवाल किया, वे प्रार्थना करने से पहले अपने हाथ क्यों धोते थे? और उन्होंने बताया कि यह इस बात की निशानी थी कि उन्होंने कोई बुराई नहीं की है (क्योंकि हर तरह का काम हाथों से ही होता है) क्योंकि अपने नेक और पवित्र तरीके से वे हर चीज़ को नेकी और सच्चाई की निशानी मानते हैं। अरिस्टियास का पत्र 11:17-18

और उसे एक सपने में पता चला कि वह बेकार की जिज्ञासा से आम लोगों को पवित्र सच्चाई बताना चाहता था, और अगर वह ऐसा नहीं करता तो वह ठीक हो जाएगा। अरिस्टियास का पत्र 11:32

लेकिन फैसला या खुद पर काबू ही उन सब पर हावी है, क्योंकि सच में, इसके ज़रिए तर्क जुनून पर अपना अधिकार जमाता है। 4 मैकाबीज़ 1:17

लेकिन मुझे लगता है कि यह तुम्हारी तरफ से और भी बड़ी बेवकूफी होगी अगर तुम सच के बारे में बेकार की बातें करके मुझे भी अपनी सज़ा देने की कोशिश करोगे। 4 मैकाबीज़ 2:40

लेकिन महान आत्मा वाला और नेक आदमी, सच में एलीएज़र, अपने मन में उतना ही दुखी था जितना कि सपने में उसे तकलीफ़ हो रही हो; हाँ, बूढ़ा आदमी अपनी आँखें आसमान की ओर उठाए हुए था और कोड़ों से अपना शरीर तब तक फाड़ता रहा जब तक वह खून से नहा नहीं गया और उसकी बगलें ज़ख्मों से भर नहीं गईं; और जब वह ज़मीन पर गिर गया क्योंकि उसका शरीर दर्द सह नहीं सका, तब भी उसने अपनी समझ को सीधा और मज़बूत रखा। 4 मैकाबीज़ 3:4

असल में, अगर हम बुढ़ापे तक सच्चाई के हिसाब से जीते रहे और सही तरीके से जीने की इज़्ज़त बनाए रखी, तो अब हम खुद को बदलकर उन बच्चों के लिए एक मिसाल बन जाएं जो बुराई करते हैं, ताकि हम उन्हें गंदा मांस खाने के लिए उकसाएं। 4 मैकाबीज़ 3:11

क्योंकि मैं अच्छे कामों से मिलने वाली खुशियों से दर्द में भी सहारा पाता हूँ, जबकि तुम अपनी बुराई पर गर्व करते हुए तकलीफ़ में हो; हे सबसे घिनौने ज़ालिम, तुम भगवान के गुस्से की सज़ा से भी नहीं बच पाओगे। 4 मैकाबीज़ 5:26

और जब फिरौन ने यह बात सुनी, तो वह बहुत हैरान हुआ और बहुत गुस्से में आया, और उससे कहा: 'ऐ आदमी! मुझे सच बताओ, और मुझे बताओ कि तुम असल में कौन हो।' और उसने उसे सच बताया। 'मैं राजा सन्हेरीब के प्रिवी काउंसिलर्स में सबसे बड़ा लेखक हैकार हूँ, और मैं उसका वज़ीर और उसके राज्य का गवर्नर और उसका चांसलर हूँ।' और उसने उससे कहा, 'तुमने यह बात सच कही है। लेकिन हमने हैकार के बारे में सुना है, कि राजा सन्हेरीब ने उसे मार डाला है, फिर भी तुम ज़िंदा और ठीक लगते हो।' अहिकार की कहानी 5:53-55

और इसी तरह हर जवान आदमी खत्म हो जाता है, उसका मन सच्चाई से भटक जाता है, और वह परमेश्वर के नियम को नहीं समझता, और न ही अपने पिताओं की सलाह मानता है, जैसा कि मेरे साथ भी मेरी जवानी में हुआ था। और अब, मेरे बच्चों, सच्चाई से प्यार करो, और वह तुम्हें बचाएगी: अपने पिता रूबेन की बातें सुनो। रूबेन का नियम 1:32-33

मैं तुम्हें स्वर्ग के परमेश्वर की शपथ दिलाता हूँ कि तुम अपने पड़ोसी के साथ सच्चाई से पेश आओ और अपने भाई से प्रेम रखो। रूबेन का नियम 2:27

और मैंने सात आदमियों को सफ़ेद कपड़े पहने देखा जो मुझसे कह रहे थे: उठो, याजकपद का चोगा, और नेकी का ताज, और समझ का कवच, और सच्चाई का कपड़ा, और विश्वास का लबादा, और सिर की पगड़ी, और भविष्यवाणी का एपोद पहन लो। लेवी का नियम 3:14

क्योंकि वह यहोवा का ऐश्वर्य अपने पुत्रों को सदा सच्चाई से देगा; लेवी का नियम 5:23

और अब, मेरे बच्चों, मैं तुमसे कहता हूँ, शराब के नशे में मत रहो; क्योंकि शराब मन को सच्चाई से दूर कर देती है, और वासना की भावना जगाती है, और आँखों को गुमराह करती है। यहूदा का नियम 3:10

इसलिए, मेरे बच्चों, जान लो कि दो आत्माएँ इंसान पर नज़र रखती हैं, सच्चाई की आत्मा और धोखे की आत्मा। और उनके बीच में मन की समझ की आत्मा है, जिसका वह हिस्सा है जहाँ चाहे मुड़ सकता है। और सच्चाई के काम और धोखे के काम इंसानों के दिलों पर लिखे होते हैं, और उनमें से हर एक को प्रभु जानता है। और ऐसा कोई समय नहीं है जब इंसान के काम छिप सकें; क्योंकि वे प्रभु के सामने दिल पर ही लिखे गए हैं। और सच्चाई की आत्मा सब बातों की गवाही देती है, और सब पर आरोप लगाती है; और पापी अपने ही दिल से जल जाता है, और जज के सामने अपना चेहरा नहीं उठा सकता। यहूदा का नियम 3:46-50

और तुम सच्चे रूप से उसके पुत्र होगे, और तुम उसकी आज्ञाओं के अनुसार चलोगे, जो पहले और आखिरी हैं। यहूदा का नियम 4:25

मैंने भक्ति का काम किया, मैंने अपने सारे जीवन सत्य का पालन किया। इस्साकार का नियम 2:13

मैंने अपने दिल में और अपनी पूरी ज़िंदगी में यह साबित कर दिया है कि सच्चाई और सही बर्ताव अच्छा है और भगवान को अच्छा लगता है, और झूठ और गुस्सा बुरे हैं, क्योंकि वे इंसान को हर तरह की बुराई सिखाते हैं। दानिय्येल 1:3

और अब, मेरे बच्चों, देखो मैं मर रहा हूँ, और मैं तुमसे सच कहता हूँ, कि अगर तुम खुद को झूठ और गुस्से की आत्मा से दूर नहीं रखोगे, और सच्चाई और धीरज से प्यार नहीं करोगे, तो तुम खत्म हो जाओगे। क्योंकि गुस्सा अंधापन है, और यह किसी को सच्चाई वाले आदमी का चेहरा देखने नहीं देता। दानिय्येल 1:10-11

हर कोई अपने पड़ोसी से सच बोले। इस तरह तुम गुस्से और उलझन में नहीं पड़ोगे; बल्कि शांति के परमेश्वर के साथ तुम शांति में रहोगे, और कोई लड़ाई तुम पर हावी नहीं होगी। दानिय्येल 2:2

और यरूशलेम फिर कभी उजाड़ नहीं रहेगा, और न ही इस्राएल बंदी बनाया जाएगा; क्योंकि प्रभु उसके बीच में रहेगा, और मनुष्यों के बीच रहेगा, और इस्राएल का पवित्र उस पर दीनता और गरीबी में राज करेगा; और जो उस पर विश्वास करेगा, वह मनुष्यों के बीच सच्चाई से राज करेगा। दानिय्येल 2:13

इसलिए, मेरे बच्चों, खुद को हर बुरे काम से बचाओ, और गुस्सा और हर झूठ को दूर रखो, और सच्चाई और सब्र से प्यार करो। दानिय्येल 2:21

और अब, मेरे बच्चों, नेकी करने के लिए सच की बातें सुनो, और सबसे ऊँचे के सारे नियम मानो, और नफ़रत की आत्मा से मत भटको, क्योंकि यह इंसानों के सभी कामों में बुराई है। जो कुछ भी इंसान करता है, नफ़रत करने वाला उससे नफ़रत करता है: और भले ही कोई इंसान प्रभु के नियम पर चले, वह उसकी तारीफ़ नहीं करता; भले ही कोई इंसान प्रभु से डरता हो, और नेकी में खुश होता हो, वह उससे प्यार नहीं करता। वह सच की बुराई करता है, वह कामयाब लोगों से जलता है, वह बुराई करने वालों का स्वागत करता है, वह घमंड से प्यार करता है, क्योंकि नफ़रत उसकी आत्मा को अंधा कर देती है; जैसा कि मैंने तब यूसुफ को भी देखा था। गाद का नियम 1:15-17

इसलिए, नफ़रत बुरी है, क्योंकि यह हमेशा झूठ बोलने और सच के खिलाफ बोलने से जुड़ी होती है; और यह छोटी चीज़ों को बड़ा बना देती है, और रोशनी को अंधेरा बना देती है, और मीठी चीज़ों को कड़वा कहती है, और बदनामी सिखाती है, और गुस्सा भड़काती है, और लड़ाई, हिंसा और हर तरह का लालच भड़काती है; यह दिल को बुराइयों और शैतानी ज़हर से भर देती है। गाद का नियम 1:25

न ही यह कहा जा सकता है कि सच झूठ है, न ही सही गलत; क्योंकि सारा सच रोशनी के नीचे है, जैसे सब कुछ भगवान के नीचे है। इसलिए, मैंने अपनी ज़िंदगी में इन सब बातों को साबित किया, और मैं प्रभु की सच्चाई से भटका नहीं, और मैंने सबसे ऊँचे की आज्ञाओं को खोजा, और अपनी पूरी ताकत के साथ सिर्फ़ चेहरे से अच्छी चीज़ों की तरफ़ चला। इसलिए, हे मेरे बच्चों, तुम भी प्रभु की आज्ञाओं पर ध्यान दो, और सिर्फ़ चेहरे से सच्चाई का पीछा करो। टेस्टामेंट ऑफ़ एशर 1:29-31

मैंने अपनी ज़िंदगी में जलन और मौत देखी है, फिर भी मैं भटका नहीं, बल्कि प्रभु की सच्चाई पर टिका रहा। यूसुफ का नियम 1:4

अच्छे मन की दो भाषाएँ नहीं होतीं, आशीर्वाद और श्राप की, अपमान और सम्मान की, दुख और खुशी की, शांति और उलझन की, पाखंड और सच्चाई की, गरीबी और अमीरी की; बल्कि उसका एक ही स्वभाव होता है, जो सभी लोगों के लिए बेदाग और शुद्ध होता है। बेंजामिन का नियम 1:37

इसलिए, तुम में से हर एक अपने पड़ोसी के साथ सच बोले, और प्रभु के नियम और उसकी आज्ञाओं का पालन करे। बेंजामिन का नियम 2:13